गुरुत्व कार्यालय द्वारा प्रस्तुत मासिक ई-पत्रिका जून-2020

गुरुत्व ज्योतिष

रोग निवारण विशेष

NOT FOR SALE



Nonprofit Publications

हम अब बेनामी उपयोगकर्ताओं के लिए गुरुत्व ज्योतिष ई-पत्रिका को मुफ्त डाउनलोड करने की सेवा बंद कर रहे हैं।

डाउनलोड करने के लिए

जीके प्रीमियम सदस्यता प्राप्त करें।

Get a **GK Premium Membership**

Subscribe

Subscriptions Period	Extra Bonus	GK Gift Card	Price In India (All Tax included)
Quarterly (3 Months)	+1 Month Free **Bonus**	Rs.99*	399
Half Yearly (6 Months)	+3 Month Free **Bonus**	Rs.149*	699
Yearly (12 Months)	-	Rs.199*	799
*** GK Gift Card Redeem on Our Website Only |**			

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvakaryalay.in

FREE
E CIRCULAR

गुरुत्व ज्योतिष

मासिक ई-पत्रिका

जून-2020

संपादक

चिंतन जोशी

संपर्क

गुरुत्व ज्योतिष विभाग

गुरुत्व कार्यालय

92/3. BANK COLONY,
BRAHMESHWAR PATNA,
BHUBNESWAR-751018,
(ODISHA) INDIA

फोन

91+9338213418,
91+9238328785,

ईमेल

gurutva.karyalay@gmail.com,
gurutva_karyalay@yahoo.in,

वेब

www.gurutvakaryalay.com

www.gurutvakaryalay.in

http://gk.yolasite.com/

www.shrigems.com

www.gurutvakaryalay.blogspot.com/

पत्रिका प्रस्तुति

चिंतन जोशी,

गुरुत्व कार्यालय

फोटो ग्राफिक्स

चिंतन जोशी,

गुरुत्व कार्यालय

गुरुत्व ज्योतिष मासिक ई-पत्रिका में लेखन हेतु फ्रीलांस (स्वतंत्र) लेखकों का स्वागत हैं...✍

गुरुत्व ज्योतिष मासिक ई पत्रिका में आपके द्वारा लिखे गये मंत्र, यंत्र, तंत्र, ज्योतिष, अंक ज्योतिष, वास्तु, फेंगशुई, टैरों, रेकी एवं अन्य आध्यात्मिक ज्ञान वर्धक लेख को प्रकाशित करने हेतु भेज सकते हैं।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY

BHUBNESWAR-751018, (ODISHA) INDIA

Call Us: 91 + 9338213418,
91 + 9238328785

Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in,
gurutva.karyalay@gmail.com

अनुक्रम

स्थायी और अन्य लेख

प्रिय आत्मिय,

बंधु/ बहिन

जय गुरुदेव

संपादकीय

इस अंक में पाठकों के मार्गदर्शन हेतु रोग से संबंधित विभिन्न विषयों को संग्रहित करने का प्रयास किया है, जैसा की हम जानते हैं की हमारे विद्वान ऋषि-मुनि और ज्योतिषाचार्योने बडी ही सरलता से हर बीमारी का संबंध ग्रहो के साथ होने का उल्लेख ज्योतिष ग्रंथो मे किया हैं।

व्यक्ति की जन्म कुंडली में जन्म समय में स्थित ग्रहो कि स्थिती, ग्रहोकि महादशा, अंतर दशा एवं ग्रहो के वर्तमान समय के ग्रहो की स्थिति से व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं रोग का आंकलन होता हैं।

आपने प्रायः देखा होगा स्वस्थ व्यक्ति भी कभी-कभी अचानक बीमार पड़ जाता हैं। जो दरसल खान-पान में बरती गई कोई लापरवाही हो सकती हैं। कभी-कभी व्यक्ति को आनुवांशिक यानी माता-पितासे प्राप्त रोग हो सकते है।

ज्योतिष विद्वान के मत से व्यक्ति के जन्म समय पर ग्रहों कि स्थिति एवं प्रभाव से व्यक्ति को उम्र के किस मोड़ पर उसे कोनसी बीमारी हो यह सुनिश्चित कर सकते हैं। यदि समय से पहले पता चल जाये व्यक्ति कब किस रोग से पीड़ित हो सकता हैं, तो पहले से सचेत होकर रोग का से बचाव हेतु या उसका निदान किया जा सकता हैं। क्योकि समय से पूर्व रोग के बारे में पता चलने से व्यक्ति खान-पान में परहेज कर बीमारी को कम करने या टालने का प्रयास कर सकता हैं।

जन्म कुंडली मे रोग का निर्णय कुंडली के छठे भाव में स्थित ग्रह, छठे भाव के स्वामी कि स्थिति छठे भाव पर ग्रह कि द्रष्टि, छठे भाव का कारक ग्रह के आधार पर जान सकते हैं, कि भविष्य में जातक किस रोग से पीडित हो सकता हैं।

कुछ मुख्य बातों को समझ कर आप किसी भी व्यक्ति कि जन्म कुंडली से होने वाले रोगों के बारे में सचेत कर सकते हैं। वैसे भी आकाश में भ्रमण करते सभी ग्रह और नक्षत्र रोग उत्पन्न कर सकते हैं।

आज की उन्नत कही जाने वाली आधुनिक चिकित्सा के विशेषज्ञ कहते हैं। हमारी सभी दवाइयाँ विष के समान हैं और इसके फलस्वरूप दवाई की हर मात्रा रोगी की जीवनशक्ति का ह्रास करती जाती है। एसे में पुरातन काल में हमारे पूर्वज प्राकृतिक चिकित्सा, मन्त्र, यन्त्र, तन्त्र एवं सरल उपायों के माध्यम से प्रायः अपनी सभी बिमारीयों का ईलाज किया करते थे।

पाठको को इन भारतीय परंपरा के पुरातन ज्ञान से आपको परिचित कराने का प्रयास किया हैं एवं विभिन्न रोगों के निवारण के लिए विभिन्न उपायों को देने का प्रयास किया हैं।

पाठक गण कृप्या ध्यान रखे की इस अंक में वर्णित सभी प्रकार की जानकारी केवल अनुभवो एवं हमारे-बंधुबांधवो से प्राप्त जानकारी के आधार पर हमारे पाठको के मार्गदर्शन हेतु दिगई हैं। इस जानकारी का उद्देश्य किसी व्यक्ति-विशेष, संस्था, या संबंधित क्षेत्र से जुडे व्यवसायीक लोगो को नुक्शान पहुचाना नहीं हैं केवल जानकारी मात्र हैं। इस को मानना न मानना व्यक्ति के निजी विचारो और आवश्यक्ता पर निर्भर हैं।

भगवान ने जितने डॉक्ट-वैद्य-सर्जन बनाएं हैं। डॉक्टर बनने के साथ ही उतने रोगी भी भगवान ने तय कर दिये हैं, नहीं तो उनकी दुकान-घर कैसे चलेगा। आजके आधुनिक डॉक्टर और चिकित्सको को आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ प्राकृतिक चिकित्सा पर जोर देना चाहिए इसी उद्देश्य से सभी प्रकार की जानकारीयां देने का प्रयास किया गया हैं। अनेक मामलो में आधुनिक डॉक्टर और चिकित्सको की अपनी विशेषताएं भी कम नहीं हैं। क्योकी आकस्मिक धटनाओं एवं आपातकालीन समय पर आधुनिक डॉक्टर और चिकित्सको की महत्वता कम नहीं हैं। क्योकि यदि किसी का एक्सीडेन्ट हो गया हैं, गोली लग गई हैं, हार्टएटेक आया हैं, इत्यादी अवसरो पर आधुनिक चिकित्सा का कोई सानी नहीं हैं। क्योकी एसी अवस्था में केवल आधुनिक चिकित्सा ही पीडित का शीघ्र बचाव कर सकती हैं। आयुर्वेद या अन्य प्राकृतिक चिकित्सा यहां काम नहीं आती। आपातकालीन स्थिती में व्यक्ति की जान बचाने में आधुनिक चिकित्सा पद्धति ही उत्तम होती हैं। अतः सबकी अपनी विशेषताएं अवश्य हैं, हमारा प्रयास केवल भारतीय पुरातन ज्ञान से पाठको को परिचित कराना मात्र हैं।

विभिन्न रोगों के निवारण एवं दिर्धायु की प्राप्ति के लिए हमनें पत्रिका के इस अंक में पाठको के मार्गदर्शन हेतु विभिन्न संबंधित शास्त्रों में वर्णित विभिन्न जानकारीयां, मंत्र, यंत्र, तंत्र, रुद्राक्ष, रत्न, इत्यादि के उपाय से आपको परिचित कराने का प्रयास किया हैं।

विद्वानो के मतानुसार रोगनिवारण के लिए, उत्तम स्वास्थ्य लाभ और औषधियों को शीघ्र प्रभावशाली बनाने के लिए किसी योग्य विशेषज्ञों से परामर्श लेकर विभिन्न अन्य प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक उपायों को अपना कर लाभ प्राप्र किया जा सकता हैं।

इस मासिक ई-पत्रिका में संबंधित जानकारीयों के विषय में साधक एवं विद्वान पाठको से अनुरोध हैं, यदि दर्शाये गए मंत्र, श्लोक, यंत्र, साधना एवं उपायों या अन्य जानकारी के लाभ, प्रभाव इत्यादी के संकलन, प्रमाण पढ़ने, संपादन में, डिजाईन में, टाईपींग में, प्रिंटिंग में, प्रकाशन में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसे स्वयं सुधार लें या किसी योग्य ज्योतिषी, गुरु या विद्वान से सलाह विमर्श कर ले । क्योकि विद्वान ज्योतिषी, गुरुजनो एवं साधको के निजी अनुभव विभिन्न मंत्र, श्लोक, यंत्र, साधना, उपाय के प्रभावों का वर्णन करने में भेद होने पर कामना सिद्धि हेतु कि जाने वाली वाली पूजन विधि एवं उसके प्रभावों में भिन्नता संभव हैं।

आपको एवं आपके परिवार के सभी सदस्यों को गुरुत्व कार्यालय परिवार की और से हार्दिक शुभकामनाएं ..

आप सभी निरोगी रहे, स्वस्थ रहें, दिर्धायु की प्राप्ति हो परमपिता परमात्मा की कृपा आपके परिवार पर बनी रहे। परमात्मा से यही प्राथना हैं... चिंतन जोशी

***** मासिक ई-पत्रिका से संबंधित सूचना *****

- ई-पत्रिका में प्रकाशित सभी लेख गुरुत्व कार्यालय के अधिकारों के साथ ही आरक्षित हैं।
- ई-पत्रिका में वर्णित लेखों को नास्तिक/अविश्वासु व्यक्ति मात्र पठन सामग्री समझ सकते हैं।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित लेख आध्यात्म से संबंधित होने के कारण भारतिय धर्म शास्त्रों से प्रेरित होकर प्रस्तुत किया गया हैं।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित लेख से संबंधित किसी भी विषयो कि सत्यता अथवा प्रामाणिकता पर किसी भी प्रकार की जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित जानकारीकी प्रामाणिकता एवं प्रभाव की जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक की नहीं हैं और ना हीं प्रामाणिकता एवं प्रभाव की जिन्मेदारी के बारे में जानकारी देने हेतु कार्यालय या संपादक किसी भी प्रकार से बाध्य हैं।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित लेख से संबंधित लेखो में पाठक का अपना विश्वास होना आवश्यक हैं। किसी भी व्यक्ति विशेष को किसी भी प्रकार से इन विषयो में विश्वास करने ना करने का अंतिम निर्णय स्वयं का होगा।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित लेख से संबंधित किसी भी प्रकार की आपत्ती स्वीकार्य नहीं होगी।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित लेख हमारे वर्षो के अनुभव एवं अनुशंधान के आधार पर दिए गये हैं। हम किसी भी व्यक्ति विशेष द्वारा प्रयोग किये जाने वाले धार्मिक, एवं मंत्र- यंत्र या अन्य प्रयोग या उपायोकी जिन्मेदारी नहिं लेते हैं। यह जिन्मेदारी मंत्र- यंत्र या अन्य उपायोको करने वाले व्यक्ति कि स्वयं कि होगी।
- क्योकि इन विषयो में नैतिक मानदंडों, सामाजिक, कानूनी नियमों के खिलाफ कोई व्यक्ति यदि नीजी स्वार्थ पूर्ति हेतु प्रयोग कर्ता हैं अथवा प्रयोग के करने मे त्रुटि होने पर प्रतिकूल परिणाम संभव हैं।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित लेख से संबंधित जानकारी को माननने से प्राप्त होने वाले लाभ, लाभ की हानी या हानी की जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक की नहीं हैं।
- हमारे द्वारा प्रकाशित किये गये सभी लेख, जानकारी एवं मंत्र-यंत्र या उपाय हमने सैकडोबार स्वयं पर एवं अन्य हमारे बंधुगण पर प्रयोग किये हैं जिस्से हमे हर प्रयोग या कवच, मंत्र-यंत्र या उपायो द्वारा निश्चित सफलता प्राप्त हुई हैं।
- ई-पत्रिका में गुरुत्व कार्यालय द्वारा प्रकाशित सभी उत्पादों को केवल पाठको की जानकारी हेतु दिया गया हैं, कार्यालय किसी भी पाठक को इन उत्पादों का क्रय करने हेतु किसी भी प्रकार से बाध्य नहीं करता हैं। पाठक इन उत्पादों को कहीं से भी क्रय करने हेतु पूर्णतः स्वतंत्र हैं।

अधिक जानकारी हेतु आप कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

(सभी विवादो केलिये केवल भुवनेश्वर न्यायालय ही मान्य होगा।)

रोग एवं चिकित्सा के आयाम

संकलन गुरुत्व कार्यालय

हमारे ऋषि-मुनि और ज्योतिषाचार्योने बडी ही सरलता से हर बीमारी का संबंध ग्रहो के साथ होने का उल्लेख ज्योतिष ग्रंथो मे किया हैं।

व्यक्ति की जन्म कुंडली में जन्म समय में स्थित ग्रहो कि स्थिती, ग्रहोकि महादशा, अंतर दशा एवं ग्रहो के वर्तमान समय के ग्रहो की स्थिति से व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं रोग का आंकलन होता हैं। आपने प्रायः देखा होगा स्वस्थ व्यक्ति भी कभी-कभी अचानक बीमार पड़ जाता हैं। जो दरसल खान-पान में बरती गई कोई लापरवाही हो सकती हैं। कभी-कभी व्यक्ति को आनुवांशिक यानी माता-पितासे प्राप्त रोग हो सकते है। ज्योतिष विद्वान के मत से व्यक्ति के जन्म समय पर ग्रहों कि स्थिति एवं प्रभाव से व्यक्ति को उम्र के किस मोड़ पर उसे कोनसी बीमारी हो यह सुनिश्चित कर सकते हैं। यदि समय से पहले पता चल जाये व्यक्ति कब किस रोग से पीड़ित हो सकता हैं, तो पहले से सचेत होकर रोग का से बचाव हेतु या उसका निदान किया जा सकता हैं। क्योकि समय से पूर्व रोग के बारे में पता चलने से व्यक्ति खान-पान में परहेज कर बीमारी को कम करने या टालने का प्रयास कर सकता हैं।

जन्म कुंडली मे रोग का निर्णय कुंडली के छठे भाव में स्थित ग्रह, छठे भाव के स्वामी कि स्थिति छठे भाव पर ग्रह कि द्रष्टि, छठे भाव का कारक ग्रह के आधार पर जान सकते हैं, कि भविष्य में जातक किस रोग से पीडित हो सकता हैं।

कुछ मुख्य बातों को समझ कर आप किसी भी व्यक्ति कि जन्म कुंडली से होने वाले रोगों के बारे में सचेत कर सकते हैं। वैसे भी आकाश में भ्रमण करते सभी ग्रह और नक्षत्र रोग उत्पन्न कर सकते हैं।

हमारे लिए आज की आधुनिक चिकित्सा पद्धति कितनी लाभदायक हैं?

आज की उन्नत कही जाने वाली आधुनिक चिकित्सा के विशेषज्ञ कहते हैं। हमारी सभी दवाइयाँ विष के समान हैं और इसके फलस्वरूप दवाई की हर मात्रा रोगी की जीवनशक्ति का ह्रास करती जाती है।

आजकल जरा-जरा से रोग-बिमारी में तत्काल ऑपरेशन की सलाह दे दी जाती हैं?, यदि आपके किसी विधुत उपकरण या वाहन को ठिक करने वाला मैकेनिक भी यदि कहें इस उपकरण या वाहन का यह पुर्जा बदलने पर भी आपका उपकरण या वाहन ठीक होगा कि नहीं इस कि कोई गारण्टी नहीं हैं? तो कोई भी व्यक्ति उस मैकेनिक के यहां अपने उपकरण की मरम्मत नहीं करवाता। परंतु किसे सर्जन-डॉक्टर के मामले मे यह बात लागू नहीं होती। हर सर्जन-डॉक्टर द्वार ऑपरेशन की गारण्टी न देने पर भी हम लोग ऑपरेशन करवा ने के लिए मजबूर हो जाते हैं !

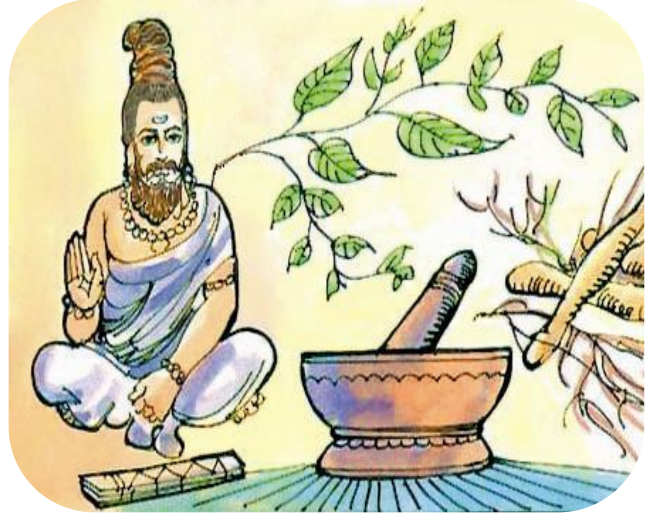
आयुर्वेद एवं अन्य अनेको चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञ कि माने तो बहोत से मामलो में ऑपरेशन के द्वारा शरीर के अशुद्ध द्रव्यों को निकालने की अपेक्षा प्राकृतिक चिकित्सा जैसे जल, मिट्टी, सूर्यकिरण और शुद्ध वायु की मदद से उन्हें बाहर निकालना एक सुरक्षित और सुविधाजनक उपाय हैं। किसी अनुभवी चिकित्सक की सलाह लेकर अनुकूल आहार एवं विश्राम करके भी पूर्ण स्वास्थ्य-लाभ पाया जा सकता हैं।

सच्चा स्वास्थ्य सुख यदि किसी दवाइयों से मिलता तो कोई भी सर्जन, डॉक्टर, कैमिस्ट या उनके परिवार का कोई भी सदस्य कभी बीमार नहीं पड़ता।

यदि उत्तम स्वास्थ्य सुख बाजार में खरीदने से मिल जाता तो संसार में कोई भी धनवान रोगी नहीं रहता। किसी भी व्यक्ति विशेष को स्वास्थ्य सुख इंजेक्शनों, अत्याधुनिक यंत्रों, चिकित्सालयों और डॉक्टर की बडी से बडी डिग्रियों से नहीं मिलता। स्वास्थ्य सुख स्वास्थ्य के नियमों का पूर्णतः पालन करने से एवं संयमी जीवन जीने से मिलता हैं।

जानकारो के माने तो मानव शरीर में विविध रोग अशुद्ध और अखाद्य भोजन, अनियमित रहन-सहन, संकुचित विचार धारा तथा दूसरो से छल-कपट से भरा व्यवहार रखने से होते हैं।

किसी भी बीमारी को कोई भी दवाई स्थायी इलाज नहीं कर सकती। दवाईयां थोड़े समय के लिए एक रोग को दबाकर, कुछ ही समय में दूसरा रोग को उभार देती है।



इसी लिये लोगो को दवाइयों की गुलामी से बचकर, अपना आहार-विहार शुद्ध, रहन-सहन नियम से, विचारो से उदार एवं प्रसन्न बने रहेंगे। आदर्श आहार-विहार और विचार-व्यवहार ये चारो और से मनुष्य के स्वास्थ्य सुख में वृद्धि होती हैं।

सर्दी-गर्मी सहन करने की शक्ति, काम एवं क्रोध को नियंत्रण में रखने की शक्ति, कठिन परिश्रम करने की योग्यता, स्फूर्ति, सहनशीलता, हँसमुखता, भूख बराबर लगना, शौच साफ आना और गहरी नींद – ये सच्चे स्वास्थ्य के प्रमुख लक्षण हैं।

दवाईयो के विषय में एक सामान्य बात देखने को आती हैं, की किसी व्यक्ति को पहले कोई एक बिमारी हुई। जैसे मानलें किसी को मधुमेह(सुगर, डायांबिटिस) हो गया डॉक्टर को दिखाने से डॉक्टर ने कहां मधुमेह हुवां हैं तो आपको अमुक-अमुक दवाईयां जीवन भर लेनी पडेगी।

दवाईयां चलती रही कुछ दिन-सप्ताह-महिने बिते दवाईयों के उपरांत भी स्वास्थ्य लाभ नहीं मधुमेह की जांच की तो उसमें और इजाफा हो गया पूरानी दवाईयां काम नहीं कर रही हैं। डॉक्टर ने दवाइयों का पावर बढा दिया पहले से अधिक पावर वाली दवाई लिखदी। उस के साथ-साथ दवाईयां और २-४ रोग ले आई जैसे उच्च रक्तचाप (हाई.बी.पी), इत्यादी बिमारीयां सामनी आतिगई दवाओं की संख्या कम होने की अपेक्षा बढती गई।

दो दवाइ-दो की चार-चार की आठ और नजाने कितनी, फिर समय आया डॉक्टर साहाब ने बताया मधुमेह की दवाइया अब आपके डायांबिटिस को कंट्रोल में नहीं कर पारही हैं। आपको अब ईन्स्युलीन लेना होगा। डॉक्टर की सलाह पर ईन्स्युलीन लेना शुरु किया कुछ दिन बाद, ईन्स्युलीन की मात्रा 5mg से बढकत 7mg हुई फिर कुछ दिन बाद 7mg से 10mg हो गई अभी भी डायांबिटिस कंट्रोल में नहीं हो रहा उसकी वजह से दिनो-दिन रोग की संख्या में वृद्धि होती गई। अब करे तो क्या करें?

व्यक्ति की दिनचार्या में कोई विशेष अंतर नहीं हैं। उल्टा दवाईयो के प्रभाव व डॉक्टर साहब के कहने से पहले से भोजन की मात्रा कम हो गई मिठा खाना भी छोड दिया अभी भी डायांबिटिस कंट्रोल में नहीं हो रहा, अब क्या करें?

किसी बडे डॉक्टर के पास गएं उन्हों ने दवाई बदली/ईन्स्युलीन की कंपनी बदल दी। पहले से दवाईयां महेगी हो गई कुछ दिन ठिक रहा डायांबिटिस कंट्रोल में रहा फिर से दूसरी बिमारी ने सताया जाचं की पायां सुगर कंट्रोल में हैं। अब हाई.बी.पी हो गया हैं। कंट्रोल में नहीं आरहा पुरानी दावाई से और अधिक पावर वाली दवाईयां लेनी पडेगी।

यह क्रम चलता ही रहता हैं। दवाईयों से रोग कम होने की अपेक्षा अन्य रोगो में वृद्धि होती गई। 5-10 पहले व्यक्ति कि जो दवाई थी या उसकी मात्रा थी उसमें कई गुना वृद्धि होगई।



डॉक्टर से पुछा एसा क्यों डॉक्टर बोले आपको अपने खान-पान पर अधिक कंट्रोल रखना होगा। रोगी बेचारा परेशान करे तो क्या करें पेहले से आधा-आधे से आधा भोजन कर दिया अब डॉक्टर साहब बोल रहे हैं कंट्रोल करो और कितना कंट्रोल करें।

क्या दवाईयों पर जिन्दा रहेंगे?

उचित चिकित्सक से यदि उचित परामर्श प्राप्त नहीं हो, तो एसी हालत हो जाती जीवन में हैं। यदि बिमारी हुई हैं और 5-10 वर्ष तक हजारो-लाखों रुपयो की तरह-तरह की दावाईयों का सेवन करने के पश्चयात यदि आपको कंट्रोल करना पड़े उस्से तो बेहतर हैं। बिमारी के साथ हीं कंट्रोल करले कि दवाईयों का सेवन नियमी नहीं करना पडें।

किसी जानकार चिकित्सय से सलाह प्राप्त कर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को अपनाने

का प्रयास करें जिसमें नुक्शान की संभावना नहीं हो और बिमारी जड़से निकल जाएं। उसी के साथ संयम और निती-नियमो का भी पालन करें।

विशेष नोट:

उपरोक्त जानकारी केवल अनुभवो एवं हमारे-बंधुबांधवो से प्राप्त जानकारी के आधार पर हमारे पाठको के मार्गदर्शन हेतु दिगई हैं। इस जानकारी का उद्देश्य किसी व्यक्ति-विशेष, संस्था, या संबंधित क्षेत्र से जुडे व्यवसायीक लोगो को नुक्शान पहुचाना नहीं हैं केवल जानकारी मात्र हैं। इस को मानना न मानना व्यक्ति के निजी विचारो और आवश्यक्ता पर निर्भर हैं।

भगवान ने जितने डॉक्ट-वैद्य-सर्जन बनाएं हैं। डॉक्टर बनने के साथ ही उतने रोगी भी भगवान ने तय कर दिये हैं, नहीं तो उनकी दुकान-घर कैसे चलेगा। आजके आधुनिक डॉक्टर और चिकित्सको को आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ प्राकृतिक चिकित्सा पर जोर देना चाहिए इसी उद्देश्य से उपरोक्त जानकारीयां दी गई हैं। अनेक मामलो में आधुनिक डॉक्टर और चिकित्सको की अपनी विशेषताएं भी कम नहीं हैं। क्योकी आकस्मिक धटनाओं एवं आपातकालीन समय पर आधुनिक डॉक्टर और चिकित्सको की महत्वता कम नहीं हैं। क्योकि यदि किसी का एक्सीडेन्ट हो गया हैं, गोली लग गई हैं, हार्टएटेक आया हैं, इत्यादी अवसरो पर आधुनिक चिकित्सा का कोई सानी नहीं हैं। क्योकी एसी अवस्था में केवल आधुनिक चिकित्सा ही पीडित का शीघ्र बचाव कर सकती हैं। आयुर्वेद या अन्य प्राकृतिक चिकित्सा यहां काम नहीं आती। आपातकालीन स्थिती में व्यक्ति की जान बचाने में आधुनिक चिकित्सा पद्धति ही उत्तम होती हैं।

सर्व कार्य सिद्धि कवच



जिस व्यक्ति को लाख प्रयत्न और परिश्रम करने के बादभी उसे मनोवांछित सफलताये एवं किये गये कार्य में सिद्धि (लाभ) प्राप्त नहीं होती, उस व्यक्ति को सर्व कार्य सिद्धि कवच अवश्य धारण करना चाहिये।

कवच के प्रमुख लाभ: सर्व कार्य सिद्धि कवच के द्वारा सुख समृद्धि और **नव ग्रहों** के नकारात्मक प्रभाव को शांत कर धारण करता व्यक्ति के जीवन से सर्व प्रकार के दु:ख-दारिद्र का नाश हो कर सुख-सौभाग्य एवं उन्नति प्राप्ति होकर जीवन मे सभि प्रकार के शुभ कार्य सिद्ध होते हैं। जिसे धारण करने से व्यक्ति यदि व्यवसाय करता होतो कारोबार मे वृद्धि होति हैं और यदि नौकरी करता होतो उसमे उन्नति होती हैं।

- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **सर्वजन वशीकरण** कवच के मिले होने की वजह से धारण कर्ता की बात का दूसरे व्यक्तिओ पर प्रभाव बना रहता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **अष्ट लक्ष्मी** कवच के मिले होने की वजह से व्यक्ति पर सदा मां महा लक्ष्मी की कृपा एवं आशीर्वाद बना रहता हैं। जिस्से मां लक्ष्मी के अष्ट रुप (१)-आदि लक्ष्मी, (२)-धान्य लक्ष्मी, (३)- धैर्य लक्ष्मी, (४)-गज लक्ष्मी, (५)-संतान लक्ष्मी, (६)-विजय लक्ष्मी, (७)-विद्या लक्ष्मी और (८)-धन लक्ष्मी इन सभी रुपो का अशीर्वाद प्राप्त होता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **तंत्र रक्षा** कवच के मिले होने की वजह से तांत्रिक बाधाए दूर होती हैं, साथ ही नकारात्मक शक्तियो का कोइ कुप्रभाव धारण कर्ता व्यक्ति पर नहीं होता। इस कवच के प्रभाव से इर्षा-द्वेष रखने वाले व्यक्तिओ द्वारा होने वाले दुष्ट प्रभावो से रक्षा होती हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **शत्रु विजय** कवच के मिले होने की वजह से शत्रु से संबंधित समस्त परेशानिओ से स्वतः ही छुटकारा मिल जाता हैं। कवच के प्रभाव से शत्रु धारण कर्ता व्यक्ति का चाहकर कुछ नही बिगाड़ सकते।

अन्य कवच के बारे मे अधिक जानकारी के लिये कार्यालय में संपर्क करे:

किसी व्यक्ति विशेष को सर्व कार्य सिद्धि कवच देने नही देना का अंतिम निर्णय हमारे पास सुरक्षित हैं।

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)
Call Us - 9338213418, 9238328785
Our Website:- www.gurutvakaryalay.com and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

प्रश्न कुण्डली से जाने स्वास्थ्य लाभ के योग

संकलन गुरुत्व कार्यालय



सभी व्यक्ति स्वयं के और अपने स्वजनो के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता है। लेकिन हमारा शरीर में विभिन्न कारणो से स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां समय के साथ-साथ आती-जाती रहती हैं।

लेकिन यदि बिमारी होने पर स्वास्थ्य में जल्दी सुधार नहीं होता तो, तरह-तरह की चिंता और मानसिक तनाव होना साधारण बात हैं। कि स्वास्थ्य में सुधार कब आयेगा?, कब उत्तम स्वास्थ्य लाभ होगा?, स्वास्थ्य लाभ होगा या नहीं?, इत्यादि प्रश्न उठ खडे हो जाते हैं।

मनुष्य की इसी चिंताको दूर करने के लिए हजारो वर्ष पूर्व भारतीय ज्योतिषाचार्यो नें प्रश्न कुंडली के माध्यम से ज्ञात करने की विद्या हमें प्रदान की हैं। जिस के फल स्वरुप किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य से संबंधित प्रश्नो का ज्योतिषी गणनाओं के माध्यम से सरलता से समाधन किया जासकता हैं!

प्रश्न कुंडली के माध्यम से स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु सर्व प्रथम प्रश्न कुंडली में रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के योग हैं या नहीं यह देख लेना अति आवश्यक हैं।

आपके मार्गदर्शन हेतु यहां विशेष योग से आपको अवगत करवा रहे हैं।

लग्न में स्थित ग्रह या लग्नेश से रोग मुक्ति के योग।

- यदि लग्न में बलवान ग्रह स्थित हो तो रोगी को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ देते हैं।
- प्रश्न कुंडली में यदि लग्नेश (लग्न का स्वामी ग्रह) और दशमेश (दशम भाव का स्वामी ग्रह) मित्र हो तो रोगी को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ देते हैं।
- प्रश्न कुंडली में चतुर्थेश (चतुर्थ भाव का स्वामी ग्रह) और सप्तमेश (सप्तम भाव का स्वामी ग्रह) के बीच मित्रता हो तो शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के योग बनते हैं।
- यदि लग्नेश (लग्न का स्वामी ग्रह) का चन्द्र के साथ संबंध हो और चन्द्र शुभ ग्रहों से युक्त या द्रष्ट हो या केन्द्र मे स्थित हो तो शीघ्र स्वास्थ्य लाभ होता हैं।
- यदि कुंडली में लग्नेश (लग्न का स्वामी ग्रह) और चन्द्र शुभ ग्रहो से युक्त या द्रष्ट होकर केन्द्र में स्थित हो और सप्तमेश वक्री न हो एवं अष्टम भाव के स्वामी ग्रह से प्रभाव मुक्त हो तो शीघ्र स्वास्थ्य लाभ होता हैं।

चन्द्रमा से रोग मुक्ति के योग

- यदि चन्द्र स्वराशि या उच्च राशि मे बलवान हो कर किसी शुभ ग्रह से युक्त हो या द्रष्ट हो तो रोगी को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ होते देखा गया हैं।
- यदि प्रश्न कुंडली में यदि चन्द्र चर राशि अर्थात द्विस्वभाव राशि में स्थित हो कर लग्न या लग्नेश से द्रष्ट हो तो शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की संभावना प्रबल होती हैं।
- यदि चन्द्र स्वराशि से चतुर्थ या दशम भाव में स्थित हो तो शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हो ने के योग बनते हैं।

तुतलाना, नंपुसकता नशे की बुरी आदतें, पीड़ारहित ऑपरेशन, उन्माद, बेहोशी आदि अनेक रोगों का निदान संभव है। कई विशेष बिमारियों में सम्मोहन की तंद्रावस्था में रोगी के अचेतन मन में दबे हुए राज बाहर निकल आते हैं, जिस्से रोग का उपचार करना सरल हो जाता हैं।

आज के आधुनिक युग में अनेक बिमारीयों का ईलाज सम्मोहन विद्या द्वारा संभव हो गया है एवं कई नई बिमारीयों पर सम्मोहन विद्या का प्रयोग किया जा रहा हैं। जिससे लोगों के स्वस्थ्य लाभे के लिए एवं रोग मुक्ति के लिए अधिक से अधिक रोगों का ईलाज किया जासकें।

ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने रोगों का उपचार सरलता से कर सकता हैं। यह अति कारगर एवं अपने आपमें सिद्ध उपाय हैं। इस में यदि शरीर के किसी भी अंग में रोग या पीड़ा हो, तो ध्यान योग के माध्यम से व्यक्ति अपना पूरा ध्यान को रोग वाले स्थान पर केन्द्रित कर यह भाव करें की ब्रह्मांड की पूर्ण सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा हैं जो उसके रोग को सभी प्रकार से दूर कर रही हैं। नियमित आवश्यक्ता के अनुसार यह क्रिया करते रहने से रोग सेमुक्ति हो कर उत्तम स्वास्थ्य लाभ की प्राप्ति होने लगती हैं।

यदि व्यक्ति सकारात्मक विचारों से परिपूर्ण हो तो रोग से शीध्रता से मुक्ति मिल सकती है।

कालसर्प योग एक कष्टदायक योग !

काल का मतलब है मृत्यु । ज्योतिष के जानकारों के अनुसार जिस व्यक्ति का जन्म अशुभकारी कालसर्प योग मे हुवा हो वह व्यक्ति जीवन भर मृत्यु के समान कष्ट भोगने वाला होता है, व्यक्ति जीवन भर कोइ ना कोइ समस्या से ग्रस्त होकर अशांत चित होता है।

कालसर्प योग अशुभ एवं पीड़ादायक होने पर व्यक्ति के जीवन को अत्यंत दुःखदायी बना देता है।

कालसर्प योग मतलब क्या?

जब जन्म कुंडली में सारे ग्रह राहु और केतु के बीच स्थित रहते हैं तो उससे ज्योतिष विद्या के जानकार उसे कालसर्प योग कहा जाता है।

कालसर्प योग किस प्रकार बनता है और क्यों बनता हैं?

जब 7 ग्रह राहु और केतु के मध्य मे स्थित हो यह अच्छि स्थिति नहि है। राहु और केतु के मध्य मे बाकी सब ग्रह आजाने से राहु केतु अन्य शुभ ग्रहों के प्रभावों को क्षीण कर देते हों!, तो अशुभ कालसर्प योग बनता है, क्योकि ज्योतिष मे राहु को सर्प(साप) का मुह(मुख) एवं केतु को पूंछ कहा जाता है।

कालसर्प योग का प्रभाव क्य होता है?

जिस प्रकार किसी व्यक्ति को साप काट ले तो वह व्यक्ति शांति से नही बेठ सकता वेसे ही कालसर्प योग से पीड़ित व्यक्ति को जीवन पर्यन्त शारीरिक, मानसिक, आर्थिक परेशानी का सामना करना पडता है। विवाह विलम्ब से होता है एवं विवाह के पश्च्यात संतान से संबंधी कष्ट जेसे उसे संतान होती ही नहीं या होती है तो रोग ग्रस्त होती है। उसे जीवन में किसी न किसी महत्वपूर्ण वस्तु का अभाव रहता है। जातक को कालसर्प योग के कारण सभी कार्यों में अत्याधिक संघर्ष करना पड़ताअ है। उसकी रोजी-रोटी का जुगाड़ भी बड़ी मुश्किल से हो पाता है। अगर जुगाड़ होजाये तो लम्बे समय तक टिकती नही है। बार-बार व्यवसाय या नौकरी मे बदलाव आते रेहते है। धनाढय घर में पैदा होने के बावजूद किसी न किसी वजह से उसे अप्रत्याशित रूप से आर्थिक क्षति होती रहती है। तरह-तरह की परेशानी से घिरे रहते हैं। एक समस्या खतम होते ही दूसरी पाव पसारे खडी होजाती है। कालसर्प योग से व्यक्ति को चैन नही मिलता उसके कार्य बनते ही नही और बन जाये आधे मे रुक जाते है। व्यक्ति के 99% हो चुका कार्य भी आखरी पलो मे अकस्मात ही रुक जात है।

परंतु यह ध्यान रहे, कालसर्प योग वाले सभी जातकों पर इस योग का समान प्रभाव नही पड़ता। क्योकि किस भाव में कौन सी राशि अवस्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह कहां स्थित हैं और दृष्टि कर रहे है उस्का प्रभाव बलाबल कितना है - इन सब बातों का भी संबंधित जातक पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

इसलिए मात्रा कालसर्प योग सुनकर भयभीत हो जाने की जरूरत नहीं बल्कि उसका जानकार या कुशल ज्योतिषी से ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उसके प्रभावों की विस्तृत जानकारी हासिल कर लेना ही बुद्धिमत्ता है। जब असली कारण ज्योतिषीय विश्लेषण से स्पष्ट हो जाये तो तत्काल उसका उपाय करना चाहिए। उपाय से कालसर्प योग के कुप्रभावो को कम किया जा सकता है।

यदि आपकी जन्म कुंडली मे भी अशुभ कालसर्प योग का बन रहा हो और आप उसके अशुभ प्रभावों से परेशान हो, तो कालसर्प योग के अशुभ प्राभावों को शांत करने के लिये विशेष अनुभूत उपायों को अपना कर अपने जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाए।

***

मंत्र सिद्ध दुर्लभ सामग्री

काली हल्दी:- 370, 550, 730, 1450, 1900	कमल गट्टे की माला - Rs- 370
माया जाल- Rs- 251, 551, 751	हल्दी माला - Rs- 280
धन वृद्धि हकीक सेट Rs-280 (काली हल्दी के साथ Rs-550)	तुलसी माला - Rs- 190, 280, 370, 460
घोडे की नाल- Rs.351, 551, 751	नवरत्न माला- Rs- 1050, 1900, 2800, 3700 & Above
हकीक: 11 नंग-Rs-190, 21 नंग Rs-370	नवरंगी हकीक माला Rs- 280, 460, 730
लघु श्रीफल: 1 नंग-Rs-21, 11 नंग-Rs-190	हकीक माला (सात रंग) Rs- 280, 460, 730, 910
नाग केशर: 11 ग्राम, Rs-145	मूंगे की माला Rs- 1050, 1900 & Above
स्फटिक माला- Rs- 235, 280, 460, 730, DC 1050, 1250	पारद माला Rs- 1450, 1900, 2800 & Above
सफेद चंदन माला - Rs- 460, 640, 910	वैजयंती माला Rs- 190, 280, 460
रक्त (लाल) चंदन - Rs- 370, 550,	रुद्राक्ष माला: 190, 280, 460, 730, 1050, 1450
मोती माला- Rs- 460, 730, 1250, 1450 & Above	विधुत माला - Rs- 190, 280
कामिया सिंदूर- Rs- 460, 730, 1050, 1450, & Above	मूल्य में अंतर छोटे से बड़े आकार के कारण हैं। >> Shop Online | Order Now

मंत्र सिद्ध स्फटिक श्री यंत्र

"श्री यंत्र" सबसे महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली यंत्र है। "श्री यंत्र" को यंत्र राज कहा जाता है क्योकि यह अत्यन्त शुभ फ़लदयी यंत्र है। जो न केवल दूसरे यन्त्रो से अधिक से अधिक लाभ देने मे समर्थ है एवं संसार के हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद साबित होता है। पूर्ण प्राण-प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त "श्री यंत्र" जिस व्यक्ति के घर मे होता है उसके लिये "श्री यंत्र" अत्यन्त फ़लदायी सिद्ध होता है उसके दर्शन मात्र से अन-गिनत लाभ एवं सुख की प्राप्ति होति है। "श्री यंत्र" मे समाई अद्रितिय एवं अद्रश्य शक्ति मनुष्य की समस्त शुभ इच्छाओं को पूरा करने मे समर्थ होति है। जिस्से उसका जीवन से हताशा और निराशा दूर होकर वह मनुष्य असफ़लता से सफ़लता कि और निरन्तर गति करने लगता है एवं उसे जीवन मे समस्त भौतिक सुखो कि प्राप्ति होति है। "श्री यंत्र" मनुष्य जीवन में उत्पन्न होने वाली समस्या-बाधा एवं नकारात्मक उर्जा को दूर कर सकारत्मक उर्जा का निर्माण करने मे समर्थ है। "श्री यंत्र" की स्थापन से घर या व्यापार के स्थान पर स्थापित करने से वास्तु दोष य वास्तु से सम्बन्धित परेशानि मे न्युनता आति है व सुख-समृद्धि, शांति एवं ऐश्वर्य कि प्रप्ति होती है। >> Shop Online | Order Now

गुरुत्व कार्यालय मे विभिन्न आकार के "श्री यंत्र" उप्लब्ध है

मूल्य:- प्रति ग्राम Rs. 28.00 से Rs.100.00

विद्या प्राप्ति हेतु सरस्वती कवच और यंत्र



आज के आधुनिक युग में शिक्षा प्राप्ति जीवन की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है। हिन्दू धर्म में विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती को माना जाता हैं। इस लिए देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना से कृपा प्राप्त करने से बुद्धि कुशाग्र एवं तीव्र होती है।

आज के सुविकसित समाज में चारों ओर बदलते परिवेश एवं आधुनिकता की दौड में नये-नये खोज एवं संशोधन के आधारो पर बच्चो के बौधिक स्तर पर अच्छे विकास हेतु विभिन्न परीक्षा, प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धाएं होती रहती हैं, जिस में बच्चे का बुद्धिमान होना अति आवश्यक हो जाता हैं। अन्यथा बच्चा परीक्षा, प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा में पीछड जाता हैं, जिससे आजके पढेलिखे आधुनिक बुद्धि से सुसंपन्न लोग बच्चे को मूर्ख अथवा बुद्धिहीन या अल्पबुद्धि समझते हैं। एसे बच्चो को हीन भावना से देखने लोगो को हमने देखा हैं, आपने भी कई सैकडो बार अवश्य देखा होगा?

ऐसे बच्चो की बुद्धि को कुशाग्र एवं तीव्र हो, बच्चो की बौद्धिक क्षमता और स्मरण शक्ति का विकास हो इस लिए सरस्वती कवच अत्यंत लाभदायक हो सकता हैं।

सरस्वती कवच को देवी सरस्वती के परंम दूर्लभ तेजस्वी मंत्रो द्वारा पूर्ण मंत्रसिद्ध और पूर्ण चैतन्ययुक्त किया जाता हैं। जिस्से जो बच्चे मंत्र जप अथवा पूजा-अर्चना नहीं कर सकते वह विशेष लाभ प्राप्त कर सके और जो बच्चे पूजा-अर्चना करते हैं, उन्हें देवी सरस्वती की कृपा शीघ्र प्राप्त हो इस लिये सरस्वती कवच अत्यंत लाभदायक होता हैं।

सरस्वती कवच और यंत्र के विषय में अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

>> Order Now

सर्व कार्य सिद्धि कवच



जिस व्यक्ति को लाख प्रयत्न और परिश्रम करने के बादभी उसे मनोवांछित सफलताये एवं किये गये कार्य में सिद्धि (लाभ) प्राप्त नहीं होती, उस व्यक्ति को सर्व कार्य सिद्धि कवच अवश्य धारण करना चाहिये।

कवच के प्रमुख लाभ: सर्व कार्य सिद्धि कवच के द्वारा सुख समृद्धि और **नव ग्रहों** के नकारात्मक प्रभाव को शांत कर धारण करता व्यक्ति के जीवन से सर्व प्रकार के दु:ख-दारिद्र का नाश हो कर सुख-सौभाग्य एवं उन्नति प्राप्ति होकर जीवन मे सभि प्रकार के शुभ कार्य सिद्ध होते हैं। जिसे धारण करने से व्यक्ति यदि व्यवसाय करता होतो कारोबार मे वृद्धि होति हैं और यदि नौकरी करता होतो उसमे उन्नति होती हैं।

- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **सर्वजन वशीकरण** कवच के मिले होने की वजह से धारण कर्ता की बात का दूसरे व्यक्तिओ पर प्रभाव बना रहता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **अष्ट लक्ष्मी** कवच के मिले होने की वजह से व्यक्ति पर सदा मां महा लक्ष्मी की कृपा एवं आशीर्वाद बना रहता हैं। जिस्से मां लक्ष्मी के अष्ट रुप (१)-आदि लक्ष्मी, (२)-धान्य लक्ष्मी, (३)- धैर्य लक्ष्मी, (४)-गज लक्ष्मी, (५)-संतान लक्ष्मी, (६)-विजय लक्ष्मी, (७)-विद्या लक्ष्मी और (८)-धन लक्ष्मी इन सभी रुपो का अशीर्वाद प्राप्त होता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **तंत्र रक्षा** कवच के मिले होने की वजह से तांत्रिक बाधाए दूर होती हैं, साथ ही नकारात्मक शक्तियो का कोइ कुप्रभाव धारण कर्ता व्यक्ति पर नहीं होता। इस कवच के प्रभाव से इर्षा-द्वेष रखने वाले व्यक्तिओ द्वारा होने वाले दुष्ट प्रभावो से रक्षा होती हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **शत्रु विजय** कवच के मिले होने की वजह से शत्रु से संबंधित समस्त परेशानिओ से स्वतः ही छुटकारा मिल जाता हैं। कवच के प्रभाव से शत्रु धारण कर्ता व्यक्ति का चाहकर कुछ नही बिगाड़ सकते।

अन्य कवच के बारे मे अधिक जानकारी के लिये कार्यालय में संपर्क करे:

किसी व्यक्ति विशेष को सर्व कार्य सिद्धि कवच देने नही देना का अंतिम निर्णय हमारे पास सुरक्षित हैं।

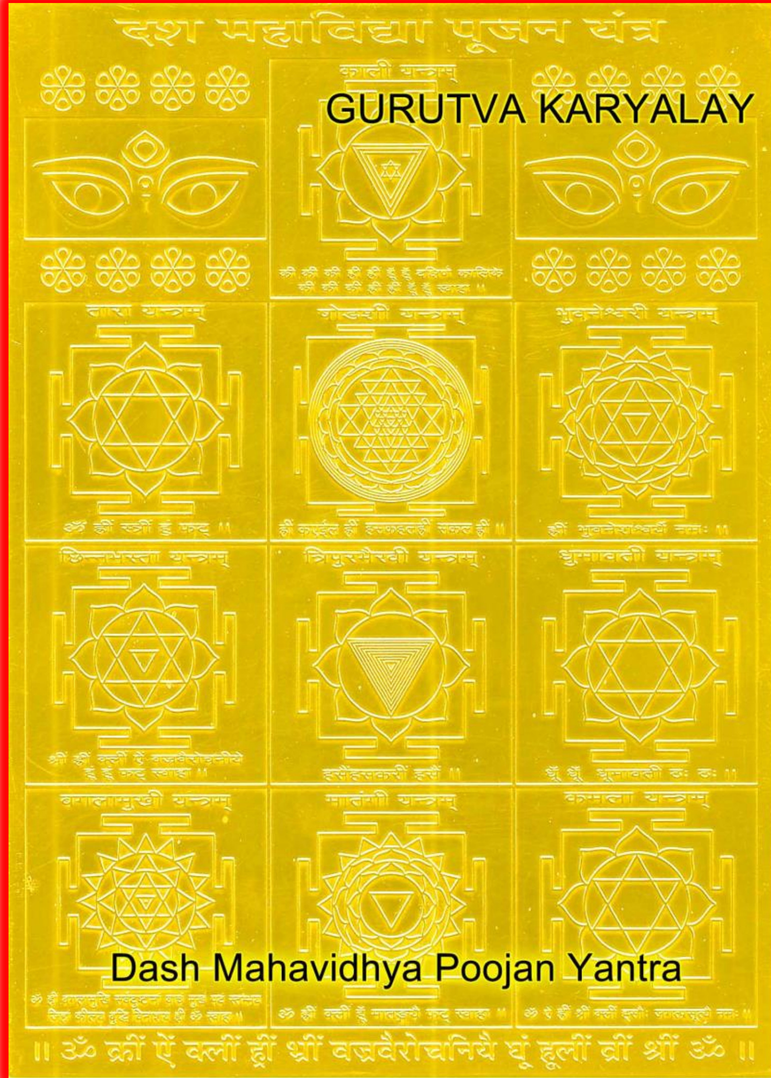
श्री गणेश यंत्र

गणेश यंत्र सर्व प्रकार की ऋद्धि-सिद्धि प्रदाता एवं सभी प्रकार की उपलब्धियों देने में समर्थ है, क्योकी श्री गणेश यंत्र के पूजन का फल भी भगवान गणपति के पूजन के समान माना जाता हैं। हर मनुष्य को को जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति एवं नियमित जीवन में प्राप्त होने वाले विभिन्न कष्ट, बाधा-विघ्नों को नास के लिए श्री गणेश यंत्र को अपने पूजा स्थान में अवश्य स्थापित करना चाहिए। श्रीगणपत्यथर्वशीर्ष में वर्णित हैं ॐकार का ही व्यक्त स्वरूप श्री गणेश हैं। इसी लिए सभी प्रकार के शुभ मांगलिक कार्यों और देवता-प्रतिष्ठापनाओं में भगवान गणपति का प्रथम पूजन किया जाता हैं। जिस प्रकार से प्रत्येक मंत्र कि शक्ति को बढाने के लिये मंत्र के आगें ॐ (ओम्) आवश्य लगा होता हैं। उसी प्रकार प्रत्येक शुभ मांगलिक कार्यों के लिये भगवान् गणपति की पूजा एवं स्मरण अनिवार्य माना गया हैं। इस पौराणिक मत को सभी शास्त्र एवं वैदिक धर्म, सम्प्रदायों ने गणेश जी के पूजन हेतु इस प्राचीन परम्परा को एक मत से स्वीकार किया हैं।

- श्री गणेश यंत्र के पूजन से व्यक्ति को बुद्धि, विद्या, विवेक का विकास होता हैं और रोग, व्याधि एवं समस्त विध्न-बाधाओं का स्वतः नाश होता है। श्री गणेशजी की कृपा प्राप्त होने से व्यक्ति के मुश्किल से मुश्किल कार्य भी आसान हो जाते हैं।
- जिन लोगो को व्यवसाय-नौकरी में विपरीत परिणाम प्राप्त हो रहे हों, पारिवारिक तनाव, आर्थिक तंगी, रोगों से पीड़ा हो रही हो एवं व्यक्ति को अथक मेहनत करने के उपरांत भी नाकामयाबी, दु:ख, निराशा प्राप्त हो रही हो, तो एसे व्यक्तियो की समस्या के निवारण हेतु चतुर्थी के दिन या बुधवार के दिन श्री गणेशजी की विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान शास्त्रों में बताया हैं।
- जिसके फल से व्यक्ति की किस्मत बदल जाती हैं और उसे जीवन में सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती हैं। जिस प्रकार श्री गणेश जी का पूजन अलग-अलग उद्देश्य एवं कामनापूर्ति हेतु किया जाता हैं, उसी प्रकार श्री गणेश यंत्र का पूजन भी अलग-अलग उद्देश्य एवं कामनापूर्ति हेतु अलग-अलग किया जाता सकता हैं।
- श्री गणेश यंत्र के नियमित पूजन से मनुष्य को जीवन में सभी प्रकार की ऋद्धि-सिद्धि व धन-सम्पत्ति की प्राप्ति हेतु श्री गणेश यंत्र अत्यंत लाभदायक हैं। श्री गणेश यंत्र के पूजन से व्यक्ति की सामाजिक पद-प्रतिष्ठा और कीर्ति चारों और फैलने लगती हैं।
- विद्वानों का अनुभव हैं की किसी भी शुभ कार्य को प्रारंप करने से पूर्व या शुभकार्य हेतु घर से बाहर जाने से पूर्व गणपति यंत्र का पूजन एवं दर्शन करना शुभ फलदायक रहता हैं। जीवन से समस्त विघ्न दूर होकर धन, आध्यात्मिक चेतना के विकास एवं आत्मबल की प्राप्ति के लिए मनुष्य को गणेश यंत्र का पूजन करना चाहिए।
- गणपति यंत्र को किसी भी माह की गणेश चतुर्थी या बुधवार को प्रात: काल अपने घर, ओफिस, व्यवसायीक स्थल पर पूजा स्थल पर स्थापित करना शुभ रहता हैं।

गुरुत्व कार्यालय में उपलब्ध अन्य : लक्ष्मी गणेश यंत्र | गणेश यंत्र | गणेश यंत्र (संपूर्ण बीज मंत्र सहित) | गणेश सिद्ध यंत्र | एकाक्षर गणपति यंत्र | हरिद्रा गणेश यंत्र भी उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी आप हमारी वेब साइट पर प्राप्त कर सकते हैं।

दस महाविद्या पूजन यंत्र



दस महाविद्या पूजन यंत्र को देवी दस महाविद्या की शक्तियों से युक्त अत्यंत प्रभावशाली और दुर्लभ यंत्र माना गया हैं।

इस यंत्र के माध्यम से साधक के परिवार पर दसो महाविद्याओं का आशिर्वाद प्राप्त होता हैं। दस महाविद्या यंत्र के नियमित पूजन-दर्शन से मनुष्य की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती हैं। दस महाविद्या यंत्र साधक की समस्त इच्छाओं को पूर्ण करने में समर्थ हैं। दस महाविद्या यंत्र मनुष्य को शक्ति संपन्न एवं भूमिवान बनाने में समर्थ हैं।

दस महाविद्या यंत्र के श्रद्धापूर्वक पूजन से शीघ्र देवी कृपा प्राप्त होती हैं और साधक को दस महाविद्या देवीयों की कृपा से संसार की समस्त सिद्धियों की प्राप्ति संभव हैं। देवी दस महाविद्या की कृपा से साधक को धर्म, अर्थ, काम व् मोक्ष चतुर्विध पुरुषार्थों की प्राप्ति हो सकती हैं। दस महाविद्या यंत्र में माँ दुर्गा के दस अवतारों का आशीर्वाद समाहित हैं, इसलिए दस महाविद्या यंत्र को के पूजन एवं दर्शन मात्र से व्यक्ति अपने जीवन को निरंतर अधिक से अधिक सार्थक एवं सफल बनाने में समर्थ हो सकता हैं।

देवी के आशिर्वाद से व्यक्ति को ज्ञान, सुख, धन-संपदा, ऐश्वर्य, रूप-सौंदर्य की प्राप्ति संभव हैं। व्यक्ति को वाद-विवाद में शत्रुओं पर विजय की प्राप्ति होती हैं।

दश महाविद्या को शास्त्रों में आद्या भगवती के दस भेद कहे गये हैं, जो क्रमशः (1) काली, (2) तारा, (3) षोडशी, (4) भुवनेश्वरी, (5) भैरवी, (6) छिन्नमस्ता, (7) धूमावती, (8) बगला, (9) मातंगी एवं (10) कमात्मिका। इस सभी देवी स्वरुपों को, सम्मिलित रुप में दश महाविद्या के नाम से जाना जाता हैं।

>> Shop Online

मंत्र सिद्ध पारद प्रतिमा

पारद श्री यंत्र	पारद लक्ष्मी गणेश	पारद लक्ष्मी नारायण	पारद लक्ष्मी नारायण
21 Gram से 5.250 Kg तक उपलब्ध	100 Gram	121 Gram	100 Gram
पारद शिवलिंग	पारद शिवलिंग+नंदि	पारद शिवजी	पारद काली
21 Gram से 5.250 Kg तक उपलब्ध	101 Gram से 5.250 Kg तक उपलब्ध	75 Gram	37 Gram
पारद दुर्गा	पारद दुर्गा	पारद सरस्वती	पारद सरस्वती
82 Gram	100 Gram	50 Gram	225 Gram
पारद हनुमान 2	पारद हनुमान 3	पारद हनुमान 1	पारद कुबेर
100 Gram	125 Gram	100 Gram	100 Gram

हमारें यहां सभी प्रकार की मंत्र सिद्ध पारद प्रतिमाएं, शिवलिंग, पिरामिड, माला एवं गुटिका शुद्ध पारद में उपलब्ध हैं।

बिना मंत्र सिद्ध की हुई पारद प्रतिमाएं थोक व्यापारी मूल्य पर उपलब्ध हैं।

ज्योतिष, रत्न व्यवसाय, पूजा-पाठ इत्यादि क्षेत्र से जुडे बंधु/बहन के लिये हमारें विशेष यंत्र, कवच, रत्न, रुद्राक्ष व अन्य दुलभ सामग्रीयों पर विशेष सुबिधाएं उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Visit Us: www.gurutvakaryalay.com

हमारे विशेष यंत्र

व्यापार वृद्धि यंत्र: हमारे अनुभवों के अनुसार यह यंत्र व्यापार वृद्धि एवं परिवार में सुख समृद्धि हेतु विशेष प्रभावशाली हैं।

भूमिलाभ यंत्र: भूमि, भवन, खेती से संबंधित व्यवसाय से जुडे लोगों के लिए भूमिलाभ यंत्र विशेष लाभकारी सिद्ध हुवा हैं।

तंत्र रक्षा यंत्र: किसी शत्रु द्वारा किये गये मंत्र-तंत्र आदि के प्रभाव को दूर करने एवं भूत, प्रेत नज़र आदि बुरी शक्तियों से रक्षा हेतु विशेष प्रभावशाली हैं।

आकस्मिक धन प्राप्ति यंत्र: अपने नाम के अनुसार ही मनुष्य को आकस्मिक धन प्राप्ति हेतु फलप्रद हैं इस यंत्र के पूजन से साधक को अप्रत्याशित धन लाभ प्राप्त होता हैं। चाहे वह धन लाभ व्यवसाय से हो, नौकरी से हो, धन-संपत्ति इत्यादि किसी भी माध्यम से यह लाभ प्राप्त हो सकता हैं। हमारे वर्षों के अनुसंधान एवं अनुभवों से हमने आकस्मिक धन प्राप्ति यंत्र से शेयर ट्रेडिंग, सोने-चांदी के व्यापार इत्यादि संबंधित क्षेत्र से जुडे लोगो को विशेष रुप से आकस्मिक धन लाभ प्राप्त होते देखा हैं। आकस्मिक धन प्राप्ति यंत्र से विभिन्न स्रोत से धनलाभ भी मिल सकता हैं।

पदौन्नति यंत्र: पदौन्नति यंत्र नौकरी पैसा लोगो के लिए लाभप्रद हैं। जिन लोगों को अत्याधिक परिश्रम एवं श्रेष्ठ कार्य करने पर भी नौकरी में उन्नति अर्थात प्रमोशन नहीं मिल रहा हो उनके लिए यह विशेष लाभप्रद हो सकता हैं।

रत्नेश्वरी यंत्र: रत्नेश्वरी यंत्र हीरे-जवाहरात, रत्न पत्थर, सोना-चांदी, ज्वैलरी से संबंधित व्यवसाय से जुडे लोगों के लिए अधिक प्रभावी हैं। शेर बाजार में सोने-चांदी जैसी बहुमूल्य धातुओं में निवेश करने वाले लोगों के लिए भी विशेष लाभदाय हैं।

भूमि प्राप्ति यंत्र: जो लोग खेती, व्यवसाय या निवास स्थान हेतु उत्तम भूमि आदि प्राप्त करना चाहते हैं, लेकिन उस कार्य में कोई ना कोई अड़चन या बाधा-विघ्न आते रहते हो जिस कारण कार्य पूर्ण नहीं हो रहा हो, तो उनके लिए भूमि प्राप्ति यंत्र उत्तम फलप्रद हो सकता हैं।

गृह प्राप्ति यंत्र: जो लोग स्वयं का घर, दुकान, ओफिस, फैक्टरी आदि के लिए भवन प्राप्त करना चाहते हैं। यथार्थ प्रयासो के उपरांत भी उनकी अभिलाषा पूर्ण नहीं हो पारही हो उनके लिए गृह प्राप्ति यंत्र विशेष उपयोगी सिद्ध हो सकता हैं।

कैलास धन रक्षा यंत्र: कैलास धन रक्षा यंत्र धन वृद्धि एवं सुख समृद्धि हेतु विशेष फलदाय हैं।

आर्थिक लाभ एवं सुख समृद्धि हेतु 19 दुर्लभ लक्ष्मी यंत्र >> Shop Online | Order Now

विभिन्न लक्ष्मी यंत्र

श्री यंत्र (लक्ष्मी यंत्र)	महालक्ष्मयै बीज यंत्र	कनक धारा यंत्र
श्री यंत्र (मंत्र रहित)	महालक्ष्मी बीसा यंत्र	वैभव लक्ष्मी यंत्र (महान सिद्धि दायक श्री महालक्ष्मी यंत्र)
श्री यंत्र (संपूर्ण मंत्र सहित)	लक्ष्मी दायक सिद्ध बीसा यंत्र	श्री श्री यंत्र (ललिता महात्रिपुर सुन्दर्यै श्री महालक्ष्मयैं श्री महायंत्र)
श्री यंत्र (बीसा यंत्र)	लक्ष्मी दाता बीसा यंत्र	अंकात्मक बीसा यंत्र
श्री यंत्र श्री सूक्त यंत्र	लक्ष्मी बीसा यंत्र	ज्येष्ठा लक्ष्मी मंत्र पूजन यंत्र
श्री यंत्र (कुर्म पृष्ठीय)	लक्ष्मी गणेश यंत्र	धनदा यंत्र > Shop Online | Order Now

सर्वसिद्धिदायक मुद्रिका

इस मुद्रिका में मूंगे को शुभ मुहूर्त में त्रिधातु (सुवर्ण+रजत+तांबें) में जड़वा कर उसे शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सर्वसिद्धिदायक बनाने हेतु प्राण-प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त किया जाता हैं। इस मुद्रिका को किसी भी वर्ग के व्यक्ति हाथ की किसी भी उंगली में धारण कर सकते हैं। यहं मुद्रिका कभी किसी भी स्थिती में अपवित्र नहीं होती। इसलिए कभी मुद्रिका को उतारने की आवश्यक्ता नहीं हैं। इसे धारण करने से व्यक्ति की समस्याओं का समाधान होने लगता हैं। धारणकर्ता को जीवन में सफलता प्राप्ति एवं उन्नति के नये मार्ग प्रसस्त होते रहते हैं और जीवन में सभी प्रकार की सिद्धियां भी शीध्र प्राप्त होती हैं। **मूल्य मात्र- 6400/-**

>> **Shop Online** | **Order Now**

(**नोट:** इस मुद्रिका को धारण करने से मंगल ग्रह का कोई बुरा प्रभाव साधक पर नहीं होता हैं।)

सर्वसिद्धिदायक मुद्रिका के विषय में अधिक जानकारी के लिये हेतु सम्पर्क करें।

पति-पत्नी में कलह निवारण हेतु

यदि परिवारों में सुख-सुविधा के समस्त साधान होते हुए भी छोटी-छोटी बातो में पति-पत्नी के बिच मे कलह होता रहता हैं, तो घर के जितने सदस्य हो उन सबके नाम से गुरुत्व कार्यालत द्वारा शास्त्रोक्त विधि-विधान से मंत्र सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त वशीकरण कवच एवं गृह कलह नाशक डिब्बी बनवाले एवं उसे अपने घर में बिना किसी पूजा, विधि-विधान से आप विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप मंत्र सिद्ध पति वशीकरण या पत्नी वशीकरण एवं गृह कलह नाशक डिब्बी बनवाना चाहते हैं, तो संपर्क आप कर सकते हैं।

100 से अधिक जैन यंत्र

हमारे यहां जैन धर्म के सभी प्रमुख, दुर्लभ एवं शीघ्र प्रभावशाली यंत्र ताम्र पत्र, सिलवर (चांदी) ओर गोल्ड (सोने) मे उपलब्ध हैं।

हमारे यहां सभी प्रकार के यंत्र कोपर ताम्र पत्र, सिलवर (चांदी) ओर गोल्ड (सोने) मे बनवाए जाते है। इसके अलावा आपकी आवश्यकता अनुसार आपके द्वारा प्राप्त (चित्र, यंत्र, ड़िज़ाईन) के अनुरुप यंत्र भी बनवाए जाते है. गुरुत्व कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये सभी यंत्र अखंडित एवं 22 गेज शुद्ध कोपर(ताम्र पत्र)- 99.99 टच शुद्ध सिलवर (चांदी) एवं 22 केरेट गोल्ड (सोने) मे बनवाए जाते है। यंत्र के विषय मे अधिक जानकारी के लिये हेतु सम्पर्क करें।

GURUTVA KARYALAY
Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,
Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com | www.gurutvakaryalay.blogspot.com

द्वादश महा यंत्र

यंत्र को अति प्राचिन एवं दुर्लभ यंत्रो के संकलन से हमारे वर्षो के अनुसंधान द्वारा बनाया गया हैं।

- परम दुर्लभ वशीकरण यंत्र,
- भाग्योदय यंत्र
- मनोवांछित कार्य सिद्धि यंत्र
- राज्य बाधा निवृत्ति यंत्र
- गृहस्थ सुख यंत्र
- शीघ्र विवाह संपन्न गौरी अनंग यंत्र
- सहस्त्राक्षी लक्ष्मी आबद्ध यंत्र
- आकस्मिक धन प्राप्ति यंत्र
- पूर्ण पौरुष प्राप्ति कामदेव यंत्र
- रोग निवृत्ति यंत्र
- साधना सिद्धि यंत्र
- शत्रु दमन यंत्र

उपरोक्त सभी यंत्रो को द्वादश महा यंत्र के रुप में शास्त्रोक्त विधि-विधान से मंत्र सिद्ध पूर्ण प्राणप्रतिष्ठित एवं चैतन्य युक्त किये जाते हैं। जिसे स्थापीत कर बिना किसी पूजा अर्चना-विधि विधान विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

>> Shop Online | Order Now

- क्या आपके बच्चे कुसंगती के शिकार हैं?
- क्या आपके बच्चे आपका कहना नहीं मान रहे हैं?
- क्या आपके बच्चे घर में अशांति पैदा कर रहे हैं?

घर परिवार में शांति एवं बच्चे को कुसंगती से छुडाने हेतु बच्चे के नाम से गुरुत्व कार्यालत द्वारा शास्त्रोक्त विधि-विधान से मंत्र सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त वशीकरण कवच एवं एस.एन.डिब्बी बनवाले एवं उसे अपने घर में स्थापित कर अल्प पूजा, विधि-विधान से आप विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप तो आप मंत्र सिद्ध वशीकरण कवच एवं एस.एन.डिब्बी बनवाना चाहते हैं, तो संपर्क इस कर सकते हैं।

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA,
BHUBNESWAR-751018, (ODISHA), Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,
Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com | www.gurutvakaryalay.blogspot.com

संपूर्ण प्राणप्रतिष्ठित 22 गेज शुद्ध स्टील में निर्मित अखंडित

पुरुषाकार शनि यंत्र

पुरुषाकार शनि यंत्र (स्टील में) को तीव्र प्रभावशाली बनाने हेतु शनि की कारक धातु शुद्ध स्टील(लोहे) में बनाया गया हैं। जिस के प्रभाव से साधक को तत्काल लाभ प्राप्त होता हैं। यदि जन्म कुंडली में शनि प्रतिकूल होने पर व्यक्ति को अनेक कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, कभी व्यवसाय में घटा, नौकरी में परेशानी, वाहन दुर्घटना, गृह क्लेश आदि परेशानीयां बढ़ती जाती है ऐसी स्थितियों में प्राणप्रतिष्ठित ग्रह पीड़ा निवारक शनि यंत्र की अपने को व्यपार स्थान या घर में स्थापना करने से अनेक लाभ मिलते हैं। यदि शनि की ढ़ैया या साढ़ेसाती का समय हो तो इसे अवश्य पूजना चाहिए। शनियंत्र के पूजन मात्र से व्यक्ति को मृत्यु, कर्ज, कोर्टकेश, जोडो का दर्द, बात रोग तथा लम्बे समय के सभी प्रकार के रोग से परेशान व्यक्ति के लिये शनि यंत्र अधिक लाभकारी होगा। नौकरी पेशा आदि के लोगों को पदौन्नति भी शनि द्वारा ही मिलती है अतः यह यंत्र अति उपयोगी यंत्र है जिसके द्वारा शीघ्र ही लाभ पाया जा सकता है।

मूल्य: 1225 से 8200 >> Shop Online | Order Now

संपूर्ण प्राणप्रतिष्ठित

22 गेज शुद्ध स्टील में निर्मित अखंडित

शनि तैतिसा यंत्र

शनिग्रह से संबंधित पीडा के निवारण हेतु विशेष लाभकारी यंत्र।

मूल्य: 640 से 12700 >> Shop Online | Order Now

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)
Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,
Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com | www.gurutvakaryalay.blogspot.com

नवरत्न जड़ित श्री यंत्र



शास्त्र वचन के अनुसार शुद्ध सुवर्ण या रजत में निर्मित श्री यंत्र के चारों और यदि नवरत्न जड़वा ने पर यह नवरत्न जड़ित श्री यंत्र कहलाता हैं। सभी रत्नो को उसके निश्चित स्थान पर जड़ कर लॉकेट के रूप में धारण करने से व्यक्ति को अनंत एश्वर्य एवं लक्ष्मी की प्राप्ति होती हैं। व्यक्ति को एसा आभास होता हैं जैसे मां लक्ष्मी उसके साथ हैं। नवग्रह को श्री यंत्र के साथ लगाने से ग्रहों की अशुभ दशा का धारणकरने वाले व्यक्ति पर प्रभाव नहीं होता हैं।

गले में होने के कारण यंत्र पवित्र रहता हैं एवं स्नान करते समय इस यंत्र पर स्पर्श कर जो जल बिंदु शरीर को लगते हैं, वह गंगा जल के समान पवित्र होता हैं। इस लिये इसे सबसे तेजस्वी एवं फलदायि कहजाता हैं। जैसे अमृत से उत्तम कोई औषधि नहीं, उसी प्रकार लक्ष्मी प्राप्ति के लिये श्री यंत्र से उत्तम कोई यंत्र संसार में नहीं हैं एसा शास्त्रोक्त वचन हैं। इस प्रकार के नवरत्न जड़ित श्री यंत्र गुरूत्व कार्यालय द्वारा शुभ मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठित करके बनावाए जाते हैं।

Rs: 4600, 5500, 6400 से 10,900 से अधिक

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY
92/3BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)
Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,
Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com

मंत्र सिद्ध वाहन दुर्घटना नाशक मारुति यंत्र

पौराणिक ग्रंथो में उल्लेख हैं की महाभारत के युद्ध के समय अर्जुन के रथ के अग्रभाग पर मारुति ध्वज एवं मारुति यन्त्र लगा हुआ था। इसी यंत्र के प्रभाव के कारण संपूर्ण युद्ध के दौरान हज़ारों-लाखों प्रकार के आग्नेय अस्त्र-शस्त्रों का प्रहार होने के बाद भी अर्जुन का रथ जरा भी क्षतिग्रस्त नहीं हुआ। भगवान श्री कृष्ण मारुति यंत्र के इस अद्भुत रहस्य को जानते थे कि जिस रथ या वाहन की रक्षा स्वयं श्री मारुति नंदन करते हों, वह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हो सकता हैं। वह रथ या वाहन तो वायुवेग से, निर्बाधित रुप से अपने लक्ष्य पर विजय पतका लहराता हुआ पहुंचेगा। इसी लिये श्री कृष्ण नें अर्जुन के रथ पर श्री मारुति यंत्र को अंकित करवाया था।

जिन लोगों के स्कूटर, कार, बस, ट्रक इत्यादि वाहन बार-बार दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हो!, अनावश्यक वाहन को नुक्षान हो रहा हों! उन्हें हानी एवं दुर्घटना से रक्षा के उद्देश्य से अपने वाहन पर मंत्र सिद्ध श्री मारुति यंत्र अवश्य लगाना चाहिए। जो लोग ट्रान्स्पोर्टिंग (परिवहन) के व्यवसाय से जुडे हैं उनको श्रीमारुति यंत्र को अपने वाहन में अवश्य स्थापित करना चाहिए, क्योकि, इसी व्यवसाय से जुडे सैकडों लोगों का अनुभव रहा हैं की श्री मारुति यंत्र को स्थापित करने से उनके वाहन अधिक दिन तक अनावश्यक खर्चो से एवं दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहे हैं। हमारा स्वयंका एवं अन्य विद्वानो का अनुभव रहा हैं, की जिन लोगों ने श्री मारुति यंत्र अपने वाहन पर लगाया हैं, उन लोगों के वाहन बडी से बडी दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहते हैं। उनके वाहनो को कोई विशेष नुक्शान इत्यादि नहीं होता हैं और नाहीं अनावश्यक रुप से उसमें खराबी आति हैं।

वास्तु प्रयोग में मारुति यंत्र: यह मारुति नंदन श्री हनुमान जी का यंत्र है। यदि कोई जमीन बिक नहीं रही हो, या उस पर कोई वाद-विवाद हो, तो इच्छा के अनुरूप वहँ जमीन उचित मूल्य पर बिक जाये इस लिये इस मारुति यंत्र का प्रयोग किया जा सकता हैं। इस मारुति यंत्र के प्रयोग से जमीन शीघ्र बिक जाएगी या विवादमुक्त हो जाएगी। इस लिये यह यंत्र दोहरी शक्ति से युक्त है।

मारुति यंत्र के विषय में अधिक जानकारी के लिये गुरुत्व कार्यालय में संपर्क करें।

मूल्य Rs- 325 से 12700 तक

श्री हनुमान यंत्र शास्त्रों में उल्लेख हैं की श्री हनुमान जी को भगवान सूर्यदेव ने ब्रह्मा जी के आदेश पर हनुमान जी को अपने तेज का सौवाँ भाग प्रदान करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया था, कि मैं हनुमान को सभी शास्त्र का पूर्ण ज्ञान दूँगा। जिससे यह तीनोलोक में सर्व श्रेष्ठ वक्ता होंगे तथा शास्त्र विद्या में इन्हें महारत हासिल होगी और इनके समन बलशाली और कोई नहीं होगा। जानकारो ने मतानुसार हनुमान यंत्र की आराधना से पुरुषों की विभिन्न बीमारियों दूर होती हैं, इस यंत्र में अद्भुत शक्ति समाहित होने के कारण व्यक्ति की स्वप्न दोष, धातु रोग, रक्त दोष, वीर्य दोष, मूर्छा, नपुंसकता इत्यादि अनेक प्रकार के दोषो को दूर करने में अत्यन्त लाभकारी हैं। अर्थात यह यंत्र पौरुष को पुष्ट करता हैं। श्री हनुमान यंत्र व्यक्ति को संकट, वाद-विवाद, भूत-प्रेत, द्यूत क्रिया, विषभय, चोर भय, राज्य भय, मारण, सम्मोहन स्तंभन इत्यादि से संकटो से रक्षा करता हैं और सिद्धि प्रदान करने में सक्षम हैं।

श्री हनुमान यंत्र के विषय में अधिक जानकारी के लिये गुरुत्व कार्यालय में संपर्क करें।

मूल्य Rs- 910 से 12700 तक

विभिन्न देवताओं के यंत्र		
गणेश यंत्र	महामृत्युंजय यंत्र	राम रक्षा यंत्र राज
गणेश यंत्र (संपूर्ण बीज मंत्र सहित)	महामृत्युंजय कवच यंत्र	राम यंत्र
गणेश सिद्ध यंत्र	महामृत्युंजय पूजन यंत्र	द्वादशाक्षर विष्णु मंत्र पूजन यंत्र
एकाक्षर गणपति यंत्र	महामृत्युंजय युक्त शिव खप्पर माहा शिव यंत्र	विष्णु बीसा यंत्र
हरिद्रा गणेश यंत्र	शिव पंचाक्षरी यंत्र	गरुड पूजन यंत्र
कुबेर यंत्र	शिव यंत्र	चिंतामणी यंत्र राज
श्री द्वादशाक्षरी रुद्र पूजन यंत्र	अद्वितीय सर्वकाम्य सिद्धि शिव यंत्र	चिंतामणी यंत्र
दत्तात्रय यंत्र	नृसिंह पूजन यंत्र	स्वर्णाकर्षणा भैरव यंत्र
दत्त यंत्र	पंचदेव यंत्र	हनुमान पूजन यंत्र
आपदुद्धारण बटुक भैरव यंत्र	संतान गोपाल यंत्र	हनुमान यंत्र
बटुक यंत्र	श्री कृष्ण अष्टाक्षरी मंत्र पूजन यंत्र	संकट मोचन यंत्र
व्यंकटेश यंत्र	कृष्ण बीसा यंत्र	वीर साधन पूजन यंत्र
कार्तवीर्यार्जुन पूजन यंत्र	सर्व काम प्रद भैरव यंत्र	दक्षिणामूर्ति ध्यानम् यंत्र
मनोकामना पूर्ति एवं कष्ट निवारण हेतु विशेष यंत्र		
व्यापार वृद्धि कारक यंत्र	अमृत तत्व संजीवनी काया कल्प यंत्र	त्रय तापोंसे मुक्ति दाता बीसा यंत्र
व्यापार वृद्धि यंत्र	विजयराज पंचदशी यंत्र	मधुमेह निवारक यंत्र
व्यापार वर्धक यंत्र	विद्यायश विभूति राज सम्मान प्रद सिद्ध बीसा यंत्र	ज्वर निवारण यंत्र
व्यापारोन्नति कारी सिद्ध यंत्र	सम्मान दायक यंत्र	रोग कष्ट दरिद्रता नाशक यंत्र
भाग्य वर्धक यंत्र	सुख शांति दायक यंत्र	रोग निवारक यंत्र
स्वस्तिक यंत्र	बाला यंत्र	तनाव मुक्त बीसा यंत्र
सर्व कार्य बीसा यंत्र	बाला रक्षा यंत्र	विद्युत मानस यंत्र
कार्य सिद्धि यंत्र	गर्भ स्तम्भन यंत्र	गृह कलह नाशक यंत्र
सुख समृद्धि यंत्र	संतान प्राप्ति यंत्र	कलेश हरण बत्तिसा यंत्र
सर्व रिद्धि सिद्धि प्रद यंत्र	प्रसूता भय नाशक यंत्र	वशीकरण यंत्र
सर्व सुख दायक पैंसठिया यंत्र	प्रसव-कष्टनाशक पंचदशी यंत्र	मोहिनि वशीकरण यंत्र
ऋद्धि सिद्धि दाता यंत्र	शांति गोपाल यंत्र	कर्ण पिशाचनी वशीकरण यंत्र
सर्व सिद्धि यंत्र	त्रिशूल बीशा यंत्र	वार्ताली स्तम्भन यंत्र
साबर सिद्धि यंत्र	पंचदशी यंत्र (बीसा यंत्र युक्त चारों प्रकारके)	वास्तु यंत्र
शाबरी यंत्र	बेकारी निवारण यंत्र	श्री मत्स्य यंत्र
सिद्धाश्रम यंत्र	षोडशी यंत्र	वाहन दुर्घटना नाशक यंत्र
ज्योतिष तंत्र ज्ञान विज्ञान प्रद सिद्ध बीसा यंत्र	अडसठिया यंत्र	प्रेत-बाधा नाशक यंत्र
ब्रह्माण्ड साबर सिद्धि यंत्र	अस्सीया यंत्र	भूतादी व्याधिहरण यंत्र
कुण्डलिनी सिद्धि यंत्र	ऋद्धि कारक यंत्र	कष्ट निवारक सिद्धि बीसा यंत्र
क्रान्ति और श्रीवर्धक चौंतीसा यंत्र	मन वांछित कन्या प्राप्ति यंत्र	भय नाशक यंत्र
श्री क्षेम कल्याणी सिद्धि महा यंत्र	विवाहकर यंत्र	स्वप्न भय निवारक यंत्र

ज्ञान दाता महा यंत्र	लग्न विघ्न निवारक यंत्र	कुदृष्टि नाशक यंत्र
काया कल्प यंत्र	लग्न योग यंत्र	श्री शत्रु पराभव यंत्र
दीर्धायु अमृत तत्व संजीवनी यंत्र	दरिद्रता विनाशक यंत्र	शत्रु दमनार्णव पूजन यंत्र

मंत्र सिद्ध विशेष दैवी यंत्र सूचि

आद्य शक्ति दुर्गा बीसा यंत्र (अंबाजी बीसा यंत्र)	सरस्वती यंत्र
महान शक्ति दुर्गा यंत्र (अंबाजी यंत्र)	सप्तसती महायंत्र(संपूर्ण बीज मंत्र सहित)
नव दुर्गा यंत्र	काली यंत्र
नवार्ण यंत्र (चामुंडा यंत्र)	श्मशान काली पूजन यंत्र
नवार्ण बीसा यंत्र	दक्षिण काली पूजन यंत्र
चामुंडा बीसा यंत्र (नवग्रह युक्त)	संकट मोचिनी कालिका सिद्धि यंत्र
त्रिशूल बीसा यंत्र	खोडियार यंत्र
बगला मुखी यंत्र	खोडियार बीसा यंत्र
बगला मुखी पूजन यंत्र	अन्नपूर्णा पूजा यंत्र
राज राजेश्वरी वांछा कल्पलता यंत्र	एकांक्षी श्रीफल यंत्र

मंत्र सिद्ध विशेष लक्ष्मी यंत्र सूचि

श्री यंत्र (लक्ष्मी यंत्र)	महालक्ष्मयै बीज यंत्र
श्री यंत्र (मंत्र रहित)	महालक्ष्मी बीसा यंत्र
श्री यंत्र (संपूर्ण मंत्र सहित)	लक्ष्मी दायक सिद्ध बीसा यंत्र
श्री यंत्र (बीसा यंत्र)	लक्ष्मी दाता बीसा यंत्र
श्री यंत्र श्री सूक्त यंत्र	लक्ष्मी गणेश यंत्र
श्री यंत्र (कुर्म पृष्ठीय)	ज्येष्ठा लक्ष्मी मंत्र पूजन यंत्र
लक्ष्मी बीसा यंत्र	कनक धारा यंत्र
श्री श्री यंत्र (श्रीश्री ललिता महात्रिपुर सुन्दर्यै श्री महालक्ष्मयैं श्री महायंत्र)	वैभव लक्ष्मी यंत्र (महान सिद्धि दायक श्री महालक्ष्मी यंत्र)
अंकात्मक बीसा यंत्र	

ताम्र पत्र पर सुवर्ण पोलीस (Gold Plated)		ताम्र पत्र पर रजत पोलीस (Silver Plated)		ताम्र पत्र पर (Copper)	
साईज	मूल्य	साईज	मूल्य	साईज	मूल्य
1” X 1”	550	1” X 1”	370	1” X 1”	325
2” X 2”	910	2” X 2”	640	2” X 2”	550
3” X 3”	1450	3” X 3”	1050	3” X 3”	910
4” X 4”	2350	4” X 4”	1450	4” X 4”	1225
6” X 6”	3700	6” X 6”	2800	6” X 6”	2350
9” X 9”	9100	9” X 9”	4600	9” X 9”	4150
12” X12”	12700	12” X12”	9100	12” X12”	9100

यंत्र के विषय में अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें। >> Shop Online | Order Now

GURUTVA KARYALAY
Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,
Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com | www.gurutvakaryalay.blogspot.com

जून 2020 मासिक पंचांग

दि	वार	माह	पक्ष	तिथि	समाप्ति	नक्षत्र	समाप्ति	योग	समाप्ति	करण	समाप्ति	चंद्र राशि	समाप्ति
1	सोम	ज्येष्ठ	शुक्ल	दशमी	15:10	हस्त	25:02	सिद्धि	13:05	गर	15:10	कन्या	-
2	मंगल	ज्येष्ठ	शुक्ल	एकादशी	12:15	चित्रा	22:54	व्यतिपात	09:41	विष्टि	12:15	कन्या	14:23
3	बुध	ज्येष्ठ	शुक्ल	द्वादशी	09:13	स्वाती	20:42	वरियान	06:13	बालव	09:13	तुला	-
4	गुरु	ज्येष्ठ	शुक्ल	त्रयोदशी-चतुर्दशी	06:12-27:18	विशाखा	18:36	शिव	23:21	तैतिल	06:12	तुला	16:28
5	शुक्र	ज्येष्ठ	शुक्ल	पूर्णिमा	24:42	अनुराधा	16:43	सिद्ध	20:11	विष्टि	13:57	वृश्चिक	-
6	शनि	आषाढ़	कृष्ण	प्रतिपदा	22:29	जेष्ठा	15:12	साध्य	17:21	बालव	11:32	वृश्चिक	18:36
7	रवि	आषाढ़	कृष्ण	द्वितीया	20:49	मूल	14:10	शुभ	14:55	तैतिल	09:35	धनु	-
8	सोम	आषाढ़	कृष्ण	तृतीया	19:46	पूर्वाषाढ़	13:44	शुक्ल	12:59	वणिज	08:13	धनु	20:33
9	मंगल	आषाढ़	कृष्ण	चतुर्थी	19:26	उत्तराषाढ़	13:59	ब्रह्म	11:36	बव	07:31	मकर	-
10	बुध	आषाढ़	कृष्ण	पंचमी	19:49	श्रवण	14:57	इन्द्र	10:46	कौलव	07:32	मकर	22:08
11	गुरु	आषाढ़	कृष्ण	षष्ठी	20:53	धनिष्ठा	16:35	वैधृति	10:30	गर	08:16	कुंभ	-
12	शुक्र	आषाढ़	कृष्ण	सप्तमी	22:33	शतभिषा	18:48	विषकुंभ	10:42	विष्टि	09:39	कुंभ	-
13	शनि	आषाढ़	कृष्ण	अष्टमी	24:39	पूर्वाभाद्रपद	21:27	प्रीति	11:18	बालव	11:33	कुंभ	23:59
14	रवि	आषाढ़	कृष्ण	नवमी	27:00	उत्तराभाद्रपद	24:21	आयुष्मान	12:07	तैतिल	13:49	मीन	-

15	सोम	आषाढ़	कृष्ण	दशमी	29:23	रेवति	27:17	सौभाग्य	13:03	वणिज	16:12	मीन	00:32
16	मंगल	आषाढ़	कृष्ण	एकादशी	-	अश्विनी	-	शोभन	13:54	बव	18:31	मेष	-
17	बुध	आषाढ़	कृष्ण	एकादशी	07:36	अश्विनी	06:03	अतिगंड	14:35	बालव	07:36	मेष	-
18	गुरु	आषाढ़	कृष्ण	द्वादशी	09:28	भरणी	08:30	सुकर्मा	14:57	तैतिल	09:28	मेष	02:16
19	शुक्र	आषाढ़	कृष्ण	त्रयोदशी	10:53	कृतिका	10:30	धृति	14:57	वणिज	10:53	वृष	-
20	शनि	आषाढ़	कृष्ण	चतुर्दशी	11:48	रोहिणि	12:01	शूल	14:33	शकुनि	11:48	वृष	03:39
21	रवि	आषाढ़	कृष्ण	अमावस्या	12:11	मृगशिरा	13:01	गंड	13:44	नाग	12:11	मिथुन	-
22	सोम	आषाढ़	शुक्ल	प्रतिपदा	12:02	आद्रा	13:30	वृद्धि	12:30	बव	12:02	मिथुन	-
23	मंगल	आषाढ़	शुक्ल	द्वितीया	11:26	पुनर्वसु	13:32	ध्रुव	10:55	कौलव	11:26	मिथुन	06:17
24	बुध	आषाढ़	शुक्ल	तृतीया	10:23	पुष्य	13:09	व्याघात	08:59	गर	10:23	कर्क	-
25	गुरु	आषाढ़	शुक्ल	चतुर्थी	08:59	आश्लेषा	12:26	हर्षण वज्र	06:47	विष्टि	08:59	कर्क	08:18
26	शुक्र	आषाढ़	शुक्ल	पंचमी-षष्ठी	07:16-29:18	मघा	11:25	सिद्धि	25:41	बालव	07:16	सिंह	-
27	शनि	आषाढ़	शुक्ल	सप्तमी	27:08	पूर्वाफाल्गुनी	10:10	व्यतिपात	22:53	गर	16:14	सिंह	10:17
28	रवि	आषाढ़	शुक्ल	अष्टमी	24:50	उत्तराफाल्गुनी	08:45	वरियान	19:59	विष्टि	14:00	कन्या	-
29	सोम	आषाढ़	शुक्ल	नवमी	22:27	हस्त	07:13	परिघ	17:01	बालव	11:39	कन्या	12:15
30	मंगल	आषाढ़	शुक्ल	दशमी	20:02	चित्रा	05:38	शिव	14:02	तैतिल	09:14	तुला	-

जून 2020 मासिक व्रत-पर्व-त्यौहार

दि	वार	माह	पक्ष	तिथि	समाप्ति	प्रमुख व्रत-त्योहार
1	सोम	ज्येष्ठ	शुक्ल	दशमी	15:10	गंगा-दशहरा, बटुक दशमी, भैरव जयन्ति
2	मंगल	ज्येष्ठ	शुक्ल	एकादशी	12:15	निर्जला एकादशी व्रत (सर्वे), भीम एकादशी, गायत्री जयन्ती,
3	बुध	ज्येष्ठ	शुक्ल	द्वादशी	09:13	चम्पक द्वादशी, त्रिविक्रम द्वादशी त्रिस्पृशा महाद्वादशी, श्यामबाबा द्वादशी, श्रीराम द्वादशी, प्रदोष व्रत, वटसावित्री व्रत 3 दिन (मालवा, गुजरात, दक्षिण भारत),
4	गुरु	ज्येष्ठ	शुक्ल	त्रयोदशी-चतुर्दशी	06:12-27:18	चम्पक चतुर्दशी,
5	शुक्र	ज्येष्ठ	शुक्ल	पूर्णिमा	24:42	पूर्णिमा व्रत, सत्य पूर्णिमा, श्रीसत्यनारायण व्रत कथा, स्नान-दान हेतु उत्तम ज्येष्ठी पूर्णिमा, वटसावित्री पूर्णिमा, देव स्नान पूर्णिमा, बिल्वत्रिरात्र व्रत प्रारंभ, संत कबीर जयंती,
6	शनि	आषाढ़	कृष्ण	प्रतिपदा	22:29	आषाढ़ मास के व्रत-नियम आरंभ,
7	रवि	आषाढ़	कृष्ण	द्वितीया	20:49	-
8	सोम	आषाढ़	कृष्ण	तृतीया	19:46	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत (चं.उ.रा.9:57)
9	मंगल	आषाढ़	कृष्ण	चतुर्थी	19:26	
10	बुध	आषाढ़	कृष्ण	पंचमी	19:49	कोकिला पंचमी, नाग पंचमी, नाग पूजन (प.बं),
11	गुरु	आषाढ़	कृष्ण	षष्ठी	20:53	-
12	शुक्र	आषाढ़	कृष्ण	सप्तमी	22:33	भानु सप्तमी पर्व, (सूर्यग्रहण समान फलदायक),
13	शनि	आषाढ़	कृष्ण	अष्टमी	24:39	शीतलाष्टमी, कालाष्टमी व्रत, भलभलाष्टमी, बोहराष्टमी, इन्द्राणी पूजा
14	रवि	आषाढ़	कृष्ण	नवमी	27:00	
15	सोम	आषाढ़	कृष्ण	दशमी	29:23	सूर्य की मिथुन संक्रान्ति महा पुण्य काल प्रातः 05:10 से सुबह 07:20 तक संक्रान्ति में स्नान-दान हेतु पुण्यकाल देर रात 00:22 से सुबह 07:20 तक, रज संक्रान्ति (ओडिशा)

16	मंगल	आषाढ़	कृष्ण	एकादशी	-	वृद्धि तिथि
17	बुध	आषाढ़	कृष्ण	एकादशी	07:36	योगिनी एकादशी व्रत (सर्वे),
18	गुरु	आषाढ़	कृष्ण	द्वादशी	09:28	प्रदोष व्रत
19	शुक्र	आषाढ़	कृष्ण	त्रयोदशी	10:53	शिव चतुर्दशी, मासिक शिवरात्रि व्रत
20	शनि	आषाढ़	कृष्ण	चतुर्दशी	11:48	श्राद्ध हेतु उत्तम आषाढ़ी अमावस्या, शनि अमावस,
21	रवि	आषाढ़	कृष्ण	अमावस्या	12:11	स्नान-दान हेतु उत्तम आषाढ़ी अमावस्या, गंगास्नान करोड़ों सूर्यग्रहण समान फलदायक, हलहारिणी अमावस, वंशवर्द्धक अमावस्या व्रत, खंडग्रास सूर्यग्रहण
22	सोम	आषाढ़	शुक्ल	प्रतिपदा	12:02	गुप्त आषाढ़ी नवरात्र प्रारंभ, कच्छ के नवसंवत्सर प्रारंभ,
23	मंगल	आषाढ़	शुक्ल	द्वितीया	11:26	नवीन चंद्र दर्शन, श्रीजगन्नाथ-सुभद्रा-बलराम रथयात्रा (जगन्नाथ पुरी), मनोरथ द्वितीया व्रत, स्वयंसिद्ध मुहूर्त, डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी दिवस,
24	बुध	आषाढ़	शुक्ल	तृतीया	10:23	नित्यलीलावास, गुण्डीचा महोत्सव (जगन्नाथ पुरी),
25	गुरु	आषाढ़	शुक्ल	चतुर्थी	08:59	विनायकी चतुर्थी, वरदविनायक चतुर्थी व्रत (चं.अस्त.रा.10:54)
26	शुक्र	आषाढ़	शुक्ल	पंचमी- षष्ठी	07:16-29:18	हैरा पंचमी (उ), स्कन्द पंचमी, स्कन्दषष्ठी व्रत, कर्दमषष्ठी (प.बं), कसुंबा षष्ठी (गु),
27	शनि	आषाढ़	शुक्ल	सप्तमी	27:08	विवस्ता सप्तमी
28	रवि	आषाढ़	शुक्ल	अष्टमी	24:50	श्रीदुर्गा अष्टमी व्रत, श्रीअन्नपूर्णाष्टमी व्रत, परशुरामाष्टमी, महिषघ्नी व्रत, हार अष्टमी, बुध अष्टमी पर्व (सूर्यग्रहण के समान फलदायक),
29	सोम	आषाढ़	शुक्ल	नवमी	22:27	भड्डली नवमी, कन्दर्प नवमी, हार नवमी, शारिका जयंती, गुप्त आषाढ़ी नवरात्र पूर्ण,
30	मंगल	आषाढ़	शुक्ल	दशमी	20:02	आशा दशमी, गिरिजा पूजन, सोपपदा दशमी, पुनर्यात्रा उल्टा रथ (उ)

राशि रत्न

मेष राशि:	वृषभ राशि:	मिथुन राशि:	कर्क राशि:	सिंह राशि:	कन्या राशि:
मूंगा	हीरा	पन्ना	मोती	माणेक	पन्ना
Red Coral (Special)	**Diamond (Special)**	**Green Emerald (Special)**	**Naturel Pearl (Special)**	**Ruby (Old Berma) (Special)**	**Green Emerald (Special)**
5.25" Rs. 1050	10 cent Rs. 4100	5.25" Rs. 9100	5.25" Rs. 910	2.25" Rs. 12500	5.25" Rs. 9100
6.25" Rs. 1250	20 cent Rs. 8200	6.25" Rs. 12500	6.25" Rs. 1250	3.25" Rs. 15500	6.25" Rs. 12500
7.25" Rs. 1450	30 cent Rs. 12500	7.25" Rs. 14500	7.25" Rs. 1450	4.25" Rs. 28000	7.25" Rs. 14500
8.25" Rs. 1800	40 cent Rs. 18500	8.25" Rs. 19000	8.25" Rs. 1900	5.25" Rs. 46000	8.25" Rs. 19000
9.25" Rs. 2100	50 cent Rs. 23500	9.25" Rs. 23000	9.25" Rs. 2300	6.25" Rs. 82000	9.25" Rs. 23000
10.25" Rs. 2800		10.25" Rs. 28000	10.25" Rs. 2800		10.25" Rs. 28000
** All Weight In Rati	All Diamond are Full White Colour.	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati

तुला राशि:	वृश्चिक राशि:	धनु राशि:	मकर राशि:	कुंभ राशि:	मीन राशि:
हीरा	मूंगा	पुखराज	नीलम	नीलम	पुखराज
Diamond (Special)	**Red Coral (Special)**	**Y.Sapphire (Special)**	**B.Sapphire (Special)**	**B.Sapphire (Special)**	**Y.Sapphire (Special)**
10 cent Rs. 4100	5.25" Rs. 1050	5.25" Rs. 30000	5.25" Rs. 30000	5.25" Rs. 30000	5.25" Rs. 30000
20 cent Rs. 8200	6.25" Rs. 1250	6.25" Rs. 37000	6.25" Rs. 37000	6.25" Rs. 37000	6.25" Rs. 37000
30 cent Rs. 12500	7.25" Rs. 1450	7.25" Rs. 55000	7.25" Rs. 55000	7.25" Rs. 55000	7.25" Rs. 55000
40 cent Rs. 18500	8.25" Rs. 1800	8.25" Rs. 73000	8.25" Rs. 73000	8.25" Rs. 73000	8.25" Rs. 73000
50 cent Rs. 23500	9.25" Rs. 2100	9.25" Rs. 91000	9.25" Rs. 91000	9.25" Rs. 91000	9.25" Rs. 91000
	10.25" Rs. 2800	10.25" Rs.108000	10.25" Rs.108000	10.25" Rs.108000	10.25" Rs.108000
All Diamond are Full White Colour.	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati

* उपयोक्त वजन और मूल्य से अधिक और कम वजन और मूल्य के रत्न एवं उपरत्न भी हमारे यहा व्यापारी मूल्य पर उप्लब्ध हैं।

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र

किसी भी व्यक्ति का जीवन तब आसान बन जाता हैं जब उसके चारों और का माहोल उसके अनुरुप उसके वश में हों। जब कोई व्यक्ति का आकर्षण दुसरो के उपर एक चुम्बकीय प्रभाव डालता हैं, तब लोग उसकी सहायता एवं सेवा हेतु तत्पर होते है और उसके प्रायः सभी कार्य बिना अधिक कष्ट व परेशानी से संपन्न हो जाते हैं। आज के भौतिकता वादि युग में हर व्यक्ति के लिये दूसरो को अपनी और खीचने हेतु एक प्रभावशालि चुंबकत्व को कायम रखना अति आवश्यक हो जाता हैं। आपका आकर्षण और व्यक्तित्व आपके चारो ओर से लोगों को आकर्षित करे इस लिये सरल उपाय हैं, **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र**। क्योकि भगवान श्री कृष्ण एक अलौकिव एवं दिवय चुंबकीय व्यक्तित्व के धनी थे। इसी कारण से **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के पूजन एवं दर्शन से आकर्षक व्यक्तित्व प्राप्त होता हैं।

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र के साथ व्यक्तिको दृढ़ इच्छा शक्ति एवं उर्जा प्राप्त होती हैं, जिस्से व्यक्ति हमेशा एक भीड में हमेशा आकर्षण का केंद्र रहता हैं।

यदि किसी व्यक्ति को अपनी प्रतिभा व आत्मविश्वास के स्तर में वृद्धि, अपने मित्रो व परिवारजनो के बिच में रिश्तो में सुधार करने की ईच्छा होती हैं उनके लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** का पूजन एक सरल व सुलभ माध्यम साबित हो सकता हैं।

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र पर अंकित शक्तिशाली विशेष रेखाएं, बीज मंत्र एवं अंको से व्यक्ति को अद्भुत आंतरिक शक्तियां प्राप्त होती हैं जो व्यक्ति को सबसे आगे एवं सभी क्षेत्रो में अग्रणिय बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं।

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र के पूजन व नियमित दर्शन के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त कर समाज में स्वयं का अद्वितीय स्थान स्थापित करें।

श्रीकृष्ण बीसा कवच

श्रीकृष्ण बीसा कवच को केवल विशेष शुभ मुहुर्त में निर्माण किया जाता हैं। कवच को विद्वान कर्मकांडी ब्राह्मणों द्वारा शुभ मुहुर्त में शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त करके निर्माण किया जाता हैं। जिस के फल स्वरुप धारण करता व्यक्ति को शीघ्र पूर्ण लाभ प्राप्त होता हैं। कवच को गले में धारण करने से वहं अत्यंत प्रभाव शाली होता हैं। गले में धारण करने से कवच हमेशा हृदय के पास रहता हैं जिस्से व्यक्ति पर उसका लाभ अति तीव्र एवं शीघ्र ज्ञात होने लगता हैं।

मूलय मात्र: 2350 >>Order Now

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र अलौकिक ब्रह्मांडीय उर्जा का संचार करता हैं, जो एक प्राकृत्ति माध्यम से व्यक्ति के भीतर सद्भावना, समृद्धि, सफलता, उत्तम स्वास्थ्य, योग और ध्यान के लिये एक शक्तिशाली माध्यम हैं!

- **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के पूजन से व्यक्ति के सामाजिक मान-सम्मान व पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती हैं।
- विद्वानो के मतानुसार **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के मध्यभाग पर ध्यान योग केंद्रित करने से व्यक्ति कि चेतना शक्ति जाग्रत होकर शीघ्र उच्च स्तर को प्राप्तहोती हैं।
- जो पुरुषों और महिला अपने साथी पर अपना प्रभाव डालना चाहते हैं और उन्हें अपनी और आकर्षित करना चाहते हैं। उनके लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** उत्तम उपाय सिद्ध हो सकता हैं।
- पति-पत्नी में आपसी प्रम की वृद्धि और सुखी दाम्पत्य जीवन के लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** लाभदायी होता हैं।

मूल्य:- Rs. 910 से Rs. 12700 तक उप्लब्द्ध >> Shop Online

जैन धर्मके विशिष्ट यंत्रो की सूची

श्री चौबीस तीर्थंकरका महान प्रभावित चमत्कारी यंत्र	श्री एकाक्षी नारियेर यंत्र
श्री चोबीस तीर्थंकर यंत्र	सर्वतो भद्र यंत्र
कल्पवृक्ष यंत्र	सर्व संपत्तिकर यंत्र
चिंतामणी पार्श्वनाथ यंत्र	सर्वकार्य-सर्व मनोकामना सिद्धिअ यंत्र (१३० सर्वतोभद्र यंत्र)
चिंतामणी यंत्र (पैंसठिया यंत्र)	ऋषि मंडल यंत्र
चिंतामणी चक्र यंत्र	जगदवल्लभ कर यंत्र
श्री चक्रेश्वरी यंत्र	ऋद्धि सिद्धि मनोकामना मान सम्मान प्राप्ति यंत्र
श्री घंटाकर्ण महावीर यंत्र	ऋद्धि सिद्धि समृद्धि दायक श्री महालक्ष्मी यंत्र
श्री घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र (अनुभव सिद्ध संपूर्ण श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र)	विषम विष निग्रह कर यंत्र
श्री पद्मावती यंत्र	क्षुद्रो पद्रव निर्नाशन यंत्र
श्री पद्मावती बीसा यंत्र	बृहच्चक्र यंत्र
श्री पार्श्वपद्मावती ह्रींकार यंत्र	वंध्या शब्दापह यंत्र
पद्मावती व्यापार वृद्धि यंत्र	मृतवत्सा दोष निवारण यंत्र
श्री धरणेन्द्र पद्मावती यंत्र	कांक वंध्यादोष निवारण यंत्र
श्री पार्श्वनाथ ध्यान यंत्र	बालग्रह पीडा निवारण यंत्र
श्री पार्श्वनाथ प्रभुका यंत्र	लधुदेव कुल यंत्र
भक्तामर यंत्र (गाथा नंबर १ से ४४ तक)	नवगाथात्मक उवसग्गहरं स्तोत्रका विशिष्ट यंत्र
मणिभद्र यंत्र	उवसग्गहरं यंत्र
श्री यंत्र	श्री पंच मंगल महाश्रृत स्कंध यंत्र
श्री लक्ष्मी प्राप्ति और व्यापार वर्धक यंत्र	ह्रींकार मय बीज मंत्र
श्री लक्ष्मीकर यंत्र	वर्धमान विद्या पट्ट यंत्र
लक्ष्मी प्राप्ति यंत्र	विद्या यंत्र
महाविजय यंत्र	सौभाग्यकर यंत्र
विजयराज यंत्र	डाकिनी, शाकिनी, भय निवारक यंत्र
विजय पतका यंत्र	भूतादि निग्रह कर यंत्र
विजय यंत्र	ज्वर निग्रह कर यंत्र
सिद्धचक्र महायंत्र	शाकिनी निग्रह कर यंत्र
दक्षिण मुखाय शंख यंत्र	आपत्ति निवारण यंत्र
दक्षिण मुखाय यंत्र	शत्रुमुख स्तंभन यंत्र

श्री घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र

(अनुभव सिद्ध संपूर्ण श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र)



घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र को स्थापीत करने से साधक की सर्व मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सर्व प्रकार के रोग भूत-प्रेत आदि उपद्रव से रक्षण होता हैं। जहरीले और हिंसक प्राणीं से संबंधित भय दूर होते हैं। अग्नि भय, चोरभय आदि दूर होते हैं।

दुष्ट व असुरी शक्तियों से उत्पन्न होने वाले भय से यंत्र के प्रभाव से दूर हो जाते हैं।

यंत्र के पूजन से साधक को धन, सुख, समृद्धि, ऎश्वर्य, संतति-संपत्ति आदि की प्राप्ति होती हैं। साधक की सभी प्रकार की सात्विक इच्छाओं की पूर्ति होती हैं।

यदि किसी परिवार या परिवार के सदस्यो पर वशीकरण, मारण, उच्चाटन इत्यादि जादू-टोने वाले प्रयोग किये गयें होतो इस यंत्र के प्रभाव से स्वतः नष्ट हो जाते हैं और भविष्य में यदि कोई प्रयोग करता हैं तो रक्षण होता हैं।

कुछ जानकारो के श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र से जुडे अद्भुत अनुभव रहे हैं। यदि घर में श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र स्थापित किया हैं और यदि कोई इर्षा, लोभ, मोह या शत्रुतावश यदि अनुचित कर्म करके किसी भी उद्देश्य से साधक को परेशान करने का प्रयास करता हैं तो यंत्र के प्रभाव से संपूर्ण परिवार का रक्षण तो होता ही हैं, कभी-कभी शत्रु के द्वारा किया गया अनुचित कर्म शत्रु पर ही उपर उलट वार होते देखा हैं। **मूल्य:- Rs. 2350 से Rs. 12700 तक उप्लब्द्ध**

>> Shop Online | Order Now

जून 2020 -विशेष योग			
कार्य सिद्धि योग			
04	संध्या 06:37 से अगले दिन प्रातः 05:23 तक	16	प्रातः 5:23 से अगले दिन प्रातः 05:23 तक
05	प्रातः 5:23 से संध्या 04:44 तक	20	प्रातः 05:24 से दोपहर 12:02 तक
07	प्रातः 5:23 से दोपहर 02:11 तक	28	प्रातः 05:26 से अगले दिन प्रातः 05:26 तक
14	प्रातः 5:23 से देर रात 00:21 तक		
त्रिपुष्कर योग (तीनगुना फल दायक)		द्विपुष्कर योग (दोगुना फल दायक)	
23	प्रातः 05: से दोपहर 11:19 तक	24	दोपहर 12:04 से रात 10:55 तक
27	सुबह 10:11 से जून 28 रात 02:54 तक		
विघ्नकारक भद्रा			
02	रात 01:32 से दोपहर 12:04 तक,	15	संध्या 04:30 से अगले दिन प्रातः 05:40 तक
05	रात 03:15 से दोपहर 01:56 तक	19	दोपहर 11:01 से रात 11:30 तक
08	सुबह 08:20 से रात 07:56 तक	24	रात 09:33 से अगले दिन सुबह 08:47 तक,
11	रात 09:10 से अगले दिन सुबह 09:57 तक,	28	रात 02:53 से दोपहर 01:45 तक,

योग फल :

- कार्य सिद्धि योग मे किये गये शुभ कार्य मे निश्चित सफलता प्राप्त होती हैं, एसा शास्त्रोक्त वचन हैं।
- त्रिपुष्कर योग में किये गये शुभ कार्यो का लाभ तीन गुना होता हैं। एसा शास्त्रोक्त वचन हैं।
- द्विपुष्कर योग में किये गये शुभ कार्यो का लाभ दोगुना होता हैं। एसा शास्त्रोक्त वचन हैं।
- अमृत सिद्धि योग अत्यंत शुभ योग में सभी प्रकार के शुभ कार्य किए जा सकते हैं।
- शास्त्रोंक्त मत से विघ्नकारक भद्रा योग में शुभ कार्य करना वर्जित हैं।

दैनिक शुभ एवं अशुभ समय ज्ञान तालिका

वार	गुलिक काल (शुभ) समय अवधि	यम काल (अशुभ) समय अवधि	राहु काल (अशुभ) समय अवधि
रविवार	03:00 से 04:30	12:00 से 01:30	04:30 से 06:00
सोमवार	01:30 से 03:00	10:30 से 12:00	07:30 से 09:00
मंगलवार	12:00 से 01:30	09:00 से 10:30	03:00 से 04:30
बुधवार	10:30 से 12:00	07:30 से 09:00	12:00 से 01:30
गुरुवार	09:00 से 10:30	06:00 से 07:30	01:30 से 03:00
शुक्रवार	07:30 से 09:00	03:00 से 04:30	10:30 से 12:00
शनिवार	06:00 से 07:30	01:30 से 03:00	09:00 से 10:30

दिन के चौघडिये

समय	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
06:00 से 07:30	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
07:30 से 09:00	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
09:00 से 10:30	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
10:30 से 12:00	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
12:00 से 01:30	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
01:30 से 03:00	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
03:00 से 04:30	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
04:30 से 06:00	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात के चौघडिये

समय	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
06:00 से 07:30	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
07:30 से 09:00	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
09:00 से 10:30	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
10:30 से 12:00	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
12:00 से 01:30	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
01:30 से 03:00	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
03:00 से 04:30	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
04:30 से 06:00	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

शास्त्रोक्त मत के अनुसार यदि किसी भी कार्य का प्रारंभ शुभ मुहूर्त या शुभ समय पर किया जाये तो कार्य में सफलता प्राप्त होने कि संभावना ज्यादा प्रबल हो जाती हैं। इस लिये दैनिक शुभ समय चौघड़िया देखकर प्राप्त किया जा सकता हैं।

नोट: प्रायः दिन और रात्रि के चौघड़िये कि गिनती क्रमशः सूर्योदय और सूर्यास्त से कि जाती हैं। प्रत्येक चौघड़िये कि अवधि 1 घंटा 30 मिनिट अर्थात डेढ़ घंटा होती हैं। समय के अनुसार चौघड़िये को शुभाशुभ तीन भागों में बांटा जाता हैं, जो क्रमशः शुभ, मध्यम और अशुभ हैं।

चौघडिये के स्वामी ग्रह

शुभ चौघडिया		मध्यम चौघडिया		अशुभ चौघड़िया	
चौघडिया	स्वामी ग्रह	चौघडिया	स्वामी ग्रह	चौघडिया	स्वामी ग्रह
शुभ	गुरु	चर	शुक्र	उद्वेग	सूर्य
अमृत	चंद्रमा			काल	शनि
लाभ	बुध			रोग	मंगल

* हर कार्य के लिये शुभ/अमृत/लाभ का चौघड़िया उत्तम माना जाता हैं।

* हर कार्य के लिये चल/काल/रोग/उद्वेग का चौघड़िया उचित नहीं माना जाता।

दिन कि होरा - सूर्योदय से सूर्यास्त तक												
वार	1.घं	2.घं	3.घं	4.घं	5.घं	6.घं	7.घं	8.घं	9.घं	10.घं	11.घं	12.घं
रविवार	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि
सोमवार	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य
मंगलवार	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र
बुधवार	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल
गुरुवार	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध
शुक्रवार	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु
शनिवार	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र
रात कि होरा – सूर्यास्त से सूर्योदय तक												
रविवार	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध
सोमवार	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु
मंगलवार	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र
बुधवार	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि
गुरुवार	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य
शुक्रवार	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र
शनिवार	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल

होरा मुहूर्त को कार्य सिद्धि के लिए पूर्ण फलदायक एवं अचूक माना जाता हैं, दिन-रात के २४ घंटों में शुभ-अशुभ समय को समय से पूर्व ज्ञात कर अपने कार्य सिद्धि के लिए प्रयोग करना चाहिये।

विद्वानो के मत से इच्छित कार्य सिद्धि के लिए ग्रह से संबंधित होरा का चुनाव करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं।

- सूर्य कि होरा सरकारी कार्यो के लिये उत्तम होती हैं।
- चंद्रमा कि होरा सभी कार्यों के लिये उत्तम होती हैं।
- मंगल कि होरा कोर्ट-कचेरी के कार्यो के लिये उत्तम होती हैं।
- बुध कि होरा विद्या-बुद्धि अर्थात पढाई के लिये उत्तम होती हैं।
- गुरु कि होरा धार्मिक कार्य एवं विवाह के लिये उत्तम होती हैं।
- शुक्र कि होरा यात्रा के लिये उत्तम होती हैं।
- शनि कि होरा धन-द्रव्य संबंधित कार्य के लिये उत्तम होती हैं।

सर्व रोगनाशक यंत्र/कवच

मनुष्य अपने जीवन के विभिन्न समय पर किसी ना किसी साध्य या असाध्य रोग से ग्रस्त होता हैं। उचित उपचार से ज्यादातर साध्य रोगो से तो मुक्ति मिल जाती हैं, लेकिन कभी-कभी साध्य रोग होकर भी असाध्य होजाते हैं, या कोइ असाध्य रोग से ग्रसित होजाते हैं। हजारो लाखो रुपये खर्च करने पर भी अधिक लाभ प्राप्त नहीं हो पाता। डॉक्टर द्वारा दिजाने वाली दवाईया अल्प समय के लिये कारगर साबित होती हैं, एसी स्थिती में लाभ प्राप्ति के लिये व्यक्ति एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर के चक्कर लगाने को बाध्य हो जाता हैं।

भारतीय ऋषीयोने अपने योग साधना के प्रताप से रोग शांति हेतु विभिन्न आयुर्वेर औषधो के अतिरिक्त यंत्र, मंत्र एवं तंत्र का उल्लेख अपने ग्रंथो में कर मानव जीवन को लाभ प्रदान करने का सार्थक प्रयास हजारो वर्ष पूर्व किया था। बुद्धिजीवो के मत से जो व्यक्ति जीवनभर अपनी दिनचर्या पर नियम, संयम रख कर आहार ग्रहण करता हैं, एसे व्यक्ति को विभिन्न रोग से ग्रसित होने की संभावना कम होती हैं। लेकिन आज के बदलते युग में एसे व्यक्ति भी भयंकर रोग से ग्रस्त होते दिख जाते हैं। क्योकि समग्र संसार काल के अधीन हैं। एवं मृत्यु निश्चित हैं जिसे विधाता के अलावा और कोई टाल नहीं सकता, लेकिन रोग होने कि स्थिती में व्यक्ति रोग दूर करने का प्रयास तो अवश्य कर सकता हैं। इस लिये **यंत्र मंत्र एवं तंत्र** के कुशल जानकार से योग्य मार्गदर्शन लेकर व्यक्ति रोगो से मुक्ति पाने का या उसके प्रभावो को कम करने का प्रयास भी अवश्य कर सकता हैं।

ज्योतिष विद्या के कुशल जानकर भी काल पुरुषकी गणना कर अनेक रोगो के अनेको रहस्य को उजागर कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से रोग के मूलको पकडने मे सहयोग मिलता हैं, जहा आधुनिक चिकित्सा शास्त्र अक्षम होजाता हैं वहा ज्योतिष शास्त्र द्वारा रोग के मूल(जड़) को पकड कर उसका निदान करना लाभदायक एवं उपायोगी सिद्ध होता हैं।

हर व्यक्ति में लाल रंगकी कोशिकाए पाइ जाती हैं, जिसका नियमीत विकास क्रम बद्ध तरीके से होता रहता हैं। जब इन कोशिकाओ के क्रम में परिवर्तन होता है या विखंडिन होता हैं तब व्यक्ति के शरीर में स्वास्थ्य संबंधी विकारो उत्पन्न होते हैं। एवं इन कोशिकाओ का संबंध नव ग्रहो के साथ होता हैं। जिस्से रोगो के होने के कारण व्यक्ति के जन्मांग से दशा-महादशा एवं ग्रहो कि गोचर स्थिती से प्राप्त होता हैं।

सर्व रोग निवारण कवच एवं महामृत्युंजय यंत्र के माध्यम से व्यक्ति के जन्मांग में स्थित कमजोर एवं पीडित ग्रहो के अशुभ प्रभाव को कम करने का कार्य सरलता पूर्वक किया जासकता हैं। जेसे हर व्यक्ति को ब्रह्मांड कि उर्जा एवं पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल प्रभावीत कर्ता हैं ठिक उसी प्रकार कवच एवं यंत्र के माध्यम से ब्रह्मांड कि उर्जा के सकारात्मक प्रभाव से व्यक्ति को सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती हैं जिस्से रोग के प्रभाव को कम कर रोग मुक्त करने हेतु सहायता मिलती हैं।

रोग निवारण हेतु महामृत्युंजय मंत्र एवं यंत्र का बडा महत्व हैं। जिस्से हिन्दू संस्कृति का प्रायः हर व्यक्ति महामृत्युंजय मंत्र से परिचित हैं।

कवच के लाभ :

- एसा शास्त्रोक्त वचन हैं जिस घर में महामृत्युंजय यंत्र स्थापित होता हैं वहा निवास कर्ता हो नाना प्रकार कि आधि-व्याधि-उपाधि से रक्षा होती हैं।
- पूर्ण प्राण प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त सर्व रोग निवारण कवच किसी भी उम्र एवं जाति धर्म के लोग चाहे स्त्री हो या पुरुष धारण कर सकते हैं।
- जन्मांगमें अनेक प्रकारके खराब योगो और खराब ग्रहो कि प्रतिकूलता से रोग उतपन्न होते हैं।
- कुछ रोग संक्रमण से होते हैं एवं कुछ रोग खान-पान कि अनियमितता और अशुद्धतासे उत्पन्न होते हैं। कवच एवं यंत्र द्वारा एसे अनेक प्रकार के खराब योगो को नष्ट कर, स्वास्थ्य लाभ और शारीरिक रक्षण प्राप्त करने हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र सर्व उपयोगी होता हैं।
- आज के भौतिकता वादी आधुनिक युगमे अनेक एसे रोग होते हैं, जिसका उपचार ओपरेशन और दवासे भी कठिन हो जाता हैं। कुछ रोग एसे होते हैं जिसे बताने में लोग हिचकिचाते हैं शरम अनुभव करते हैं एसे रोगो को रोकने हेतु एवं उसके उपचार हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र लाभादायि सिद्ध होता हैं।
- प्रत्येक व्यक्ति कि जेसे-जेसे आयु बढती हैं वैसे-वसै उसके शरीर कि ऊर्जा कम होती जाती हैं। जिसके साथ अनेक प्रकार के विकार पैदा होने लगते हैं एसी स्थिती में उपचार हेतु सर्वरोगनाशक कवच एवं यंत्र फलप्रद होता हैं।
- जिस घर में पिता-पुत्र, माता-पुत्र, माता-पुत्री, या दो भाई एक हि नक्षत्रमे जन्म लेते हैं, तब उसकी माता के लिये अधिक कष्टदायक स्थिती होती हैं। उपचार हेतु महामृत्युंजय यंत्र फलप्रद होता हैं।
- जिस व्यक्ति का जन्म परिधि योगमे होता हैं उन्हे होने वाले मृत्यु तुल्य कष्ट एवं होने वाले रोग, चिंता में उपचार हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र शुभ फलप्रद होता हैं।

नोट:- पूर्ण प्राण प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त सर्व रोग निवारण कवच एवं यंत्र के बारे में अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें। >> **Shop Online | Order Now**

Declaration Notice

- We do not accept liability for any out of date or incorrect information.
- We will not be liable for your any indirect consequential loss, loss of profit,
- If you will cancel your order for any article we can not any amount will be refunded or Exchange.
- We are keepers of secrets. We honour our clients' rights to privacy and will release no information about our any other clients' transactions with us.
- Our ability lies in having learned to read the subtle spiritual energy, Yantra, mantra and promptings of the natural and spiritual world.
- Our skill lies in communicating clearly and honestly with each client.
- Our all kawach, yantra and any other article are prepared on the Principle of Positiv energy, our Article dose not produce any bad energy.

Our Goal

- Here Our goal has The classical Method-Legislation with Proved by specific with fiery chants prestigious full consciousness (Puarn Praan Pratisthit) Give miraculous powers & Good effect All types of Yantra, Kavach, Rudraksh, preciouse and semi preciouse Gems stone deliver on your door step.

मंत्र सिद्ध कवच

मंत्र सिद्ध कवच को विशेष प्रयोजन में उपयोग के लिए और शीघ्र प्रभाव शाली बनाने के लिए तेजस्वी मंत्रो द्वारा शुभ महूर्त में शुभ दिन को तैयार किये जाते है। अलग-अलग कवच तैयार करने केलिए अलग-अलग तरह के मंत्रो का प्रयोग किया जाता है।

❖ क्यों चुने मंत्र सिद्ध कवच? ❖ उपयोग में आसान कोई प्रतिबन्ध नहीं ❖ कोई विशेष निति-नियम नहीं ❖ कोई बुरा प्रभाव नहीं

मंत्र सिद्ध कवच सूचि

राज राजेश्वरी कवच Raj Rajeshwari Kawach ………...........................	11000	विष्णु बीसा कवच Vishnu Visha Kawach ………...........................…..	2350
अमोघ महामृत्युंजय कवच Amogh Mahamrutyunjay Kawach …………………….	10900	रामभद्र बीसा कवच Ramabhadra Visha Kawach ………..…………………	2350
दस महाविद्या कवच Dus Mahavidhya Kawach ……….......................….	7300	कुबेर बीसा कवच Kuber Visha Kawach ……….....................................	2350
श्री घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि प्रद कवच Shri Ghantakarn Mahavir Sarv Siddhi Prad Kawach..	6400	गरुड बीसा कवच Garud Visha Kawach ………................................	2350
सकल सिद्धि प्रद गायत्री कवच Sakal Siddhi Prad Gayatri Kawach …………………...	6400	लक्ष्मी बीसा कवच Lakshmi Visha Kawach ……......................................	2350
नवदुर्गा शक्ति कवच Navdurga Shakiti Kawach ………..........................	6400	सिंह बीसा कवच Sinha Visha Kawach ………............................…......	2350
रसायन सिद्धि कवच Rasayan Siddhi Kawach ………..............................…	6400	नर्वाण बीसा कवच Narvan Visha Kawach ………..............................…..	2350
पंचदेव शक्ति कवच Pancha Dev Shakti Kawach ………..........................	6400	संकट मोचिनी कालिका सिद्धि कवच Sankat Mochinee Kalika Siddhi Kawach ……..……	2350
सर्व कार्य सिद्धि कवच Sarv Karya Siddhi Kawach ………...........................…	5500	राम रक्षा कवच Ram Raksha Kawach ………...	2350
सुवर्ण लक्ष्मी कवच Suvarn Lakshmi Kawach ………..............................	4600	नारायण रक्षा कवच Narayan Raksha Kavach ……………………………...	2350
स्वर्णाकर्षण भैरव कवच Swarnakarshan Bhairav Kawach ……….............……..	4600	हनुमान रक्षा कवच Hanuman Raksha Kawach ………..............................…..	2350
कालसर्प शांति कवच Kalsharp Shanti Kawach ………..............................…	3700	भैरव रक्षा कवच Bhairav Raksha Kawach ……………………………....	2350
विलक्षण सकल राज वशीकरण कवच Vilakshan Sakal Raj Vasikaran Kawach ……..……	3250	शनि साड़ेसाती और ढ़ैया कष्ट निवारण कवच Shani Sadesatee aur Dhaiya Kasht Nivaran Kawach …..	2350
इष्ट सिद्धि कवच Isht Siddhi Kawach ………................................……..	2800	श्रापित योग निवारण कवच Sharapit Yog Nivaran Kawach ……...……………….	1900
परदेश गमन और लाभ प्राप्ति कवच Pardesh Gaman Aur Labh Prapti Kawach ……….…..	2350	विष योग निवारण कवच Vish Yog Nivaran Kawach ……...………………….	1900
श्रीदुर्गा बीसा कवच Durga Visha Kawach ………....................................	2350	सर्वजन वशीकरण कवच Sarvjan Vashikaran Kawach ……...…………………	1450
कृष्ण बीसा कवच Krushna Bisa Kawach ………......................................	2350	सिद्धि विनायक कवच Siddhi Vinayak Ganapati Kawach ……...……………..	1450
अष्ट विनायक कवच Asht Vinayak Kawach ………......................................	2350	सकल सम्मान प्राप्ति कवच Sakal Samman Praapti Kawach ……...………………	1450
आकर्षण वृद्धि कवच Aakarshan Vruddhi Kawach …….........................	1450	स्वप्न भय निवारण कवच Swapna Bhay Nivaran Kawach ……...……………..	1050

वशीकरण नाशक कवच Vasikaran Nashak Kawach ……..…………………..	1450	सरस्वती कवच (कक्षा +10 के लिए) Saraswati Kawach (For Class +10) …………………..	1050
प्रीति नाशक कवच Preeti Nashak Kawach ……..……………………….	1450	सरस्वती कवच (कक्षा 10 तकके लिए) Saraswati Kawach (For up to Class 10) ……………..	910
चंडाल योग निवारण कवच Chandal Yog Nivaran Kawach ……..………………..	1450	वशीकरण कवच (2-3 व्यक्तिके लिए) Vashikaran Kawach For (For 2-3 Person) …………….	1250
ग्रहण योग निवारण कवच Grahan Yog Nivaran Kawach ……..…………………..	1450	पत्नी वशीकरण कवच Patni Vasikaran Kawach ……………………………....	820
मांगलिक योग निवारण कवच (कुजा योग) Magalik Yog Nivaran Kawach (Kuja Yoga) …………	1450	पति वशीकरण कवच Pati Vasikaran Kawach ……………………………….	820
अष्ट लक्ष्मी कवच Asht Lakshmi Kawach ……..………………………..	1250	वशीकरण कवच (1 व्यक्ति के लिए) Vashikaran Kawach (For 1 Person) ……………………	820
आकस्मिक धन प्राप्ति कवच Akashmik Dhan Prapti Kawach ……..………………..	1250	सुदर्शन बीसा कवच Sudarshan Visha Kawach ……..…………………...…..	910
स्पे.व्यापार वृद्धि कवच Special Vyapar Vruddhi Kawach ……..………………	1250	महा सुदर्शन कवच Mahasudarshan Kawach ……..………………...…………	910
धन प्राप्ति कवच Dhan Prapti Kawach ……..……………………………..	1250	तंत्र रक्षा कवच Tantra Raksha Kawach …………………………………	910
कार्य सिद्धि कवच Karya Siddhi Kawach ……..…………………………	1250	वशीकरण कवच (2-3 व्यक्तिके लिए) Vashikaran Kawach For (For 2-3 Person) …………….	1250
भूमिलाभ कवच Bhumilabh Kawach ……..…………………………….	1250	पत्नी वशीकरण कवच Patni Vasikaran Kawach ……………………………....	820
नवग्रह शांति कवच Navgrah Shanti Kawach ……..………………………..	1250	पति वशीकरण कवच Pati Vasikaran Kawach ……………………………….	820
संतान प्राप्ति कवच Santan Prapti Kawach ……..………………………….	1250	वशीकरण कवच (1 व्यक्ति के लिए) Vashikaran Kawach (For 1 Person) ……………………	820
कामदेव कवच Kamdev Kawach ……..……………………………..	1250	सुदर्शन बीसा कवच Sudarshan Visha Kawach ……..…………………...…..	910
हंस बीसा कवच Hans Visha Kawach ……..…………………………….	1250	महा सुदर्शन कवच Mahasudarshan Kawach ……..………………...…………	910
पदौन्नति कवच Padounnati Kawach ……..………………………….	1250	तंत्र रक्षा कवच Tantra Raksha Kawach …………………………………	910
ऋण / कर्ज मुक्ति कवच Rin / Karaj Mukti Kawach ……..………………………	1250	त्रिशूल बीसा कवच Trishool Visha Kawach ……..………………………....	910
शत्रु विजय कवच Shatru Vijay Kawach ………………………………..	1050	व्यापर वृद्धि कवच Vyapar Vruddhi Kawach ……………………………...	910
विवाह बाधा निवारण कवच Vivah Badha Nivaran Kawach ………………………...	1050	सर्व रोग निवारण कवच Sarv Rog Nivaran Kawach ……………………………...	910
स्वस्तिक बीसा कवच Swastik Visha Kawach ……..……………………….	1050	शारीरिक शक्ति वर्धक कवच Sharirik Shakti Vardhak Kawach ..……………………..	910
मस्तिष्क पृष्टि वर्धक कवच Mastishk Prushti Vardhak Kawach ……………………	820	सिद्ध शुक्र कवच Siddha Shukra Kawach ……………………………….	820

वाणी पृष्टि वर्धक कवच Vani Prushti Vardhak Kawach	820	सिद्ध शनि कवच Siddha Shani Kawach	820
कामना पूर्ति कवच Kamana Poorti Kawach	820	सिद्ध राहु कवच Siddha Rahu Kawach	820
विरोध नाशक कवच Virodh Nashan Kawach	820	सिद्ध केतु कवच Siddha Ketu Kawach	820
सिद्ध सूर्य कवच Siddha Surya Kawach	820	रोजगार वृद्धि कवच Rojgar Vruddhi Kawach	730
सिद्ध चंद्र कवच Siddha Chandra Kawach	820	विघ्न बाधा निवारण कवच Vighna Badha Nivaran Kawah	730
सिद्ध मंगल कवच (कुजा) Siddha Mangal Kawach (Kuja)	820	नज़र रक्षा कवच Najar Raksha Kawah	730
सिद्ध बुध कवच Siddha Bhudh Kawach	820	रोजगार प्राप्ति कवच Rojagar Prapti Kawach	730
सिद्ध गुरु कवच Siddha Guru Kawach	820	दुर्भाग्य नाशक कवच Durbhagya Nashak	640





उपरोक्त कवच के अलावा अन्य समस्या विशेष के समाधान हेतु एवं उद्देश्य पूर्ति हेतु कवच का निर्माण किया जाता हैं। कवच के विषय में अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें। *कवच मात्र शुभ कार्य या उद्देश्य के लिये

>> Shop Online | Order Now

GURUTVA KARYALAY

Call Us - 9338213418, 9238328785,
Our Website:- www.gurutvakaryalay.com and www.gurutvajyotish.com

Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

Gemstone Price List

NAME OF GEM STONE		GENERAL	MEDIUM FINE	FINE	SUPER FINE	SPECIAL
Emerald	(पन्ना)	200.00	500.00	1200.00	1900.00	2800.00 & above
Yellow Sapphire	(पुखराज)	550.00	1200.00	1900.00	2800.00	4600.00 & above
Yellow Sapphire Bangkok	(बैंकोक पुखराज)	550.00	1200.00	1900.00	2800.00	4600.00 & above
Blue Sapphire	(नीलम)	550.00	1200.00	1900.00	2800.00	4600.00 & above
White Sapphire	(सफ़ेद पुखराज)	1000.00	1200.00	1900.00	2800.00	4600.00 & above
Bangkok Black Blue	**(बैंकोक नीलम)**	100.00	150.00	190.00	550.00	1000.00 & above
Ruby	(माणिक)	100.00	190.00	370.00	730.00	1900.00 & above
Ruby Berma	(बर्मा माणिक)	5500.00	6400.00	8200.00	10000.00	21000.00 & above
Speenal	(नरम माणिक/लालडी)	300.00	600.00	1200.00	2100.00	3200.00 & above
Pearl	(मोति)	30.00	60.00	90.00	120.00	280.00 & above
Red Coral (4 रति तक)	(लाल मूंगा)	125.00	190.00	280.00	370.00	460.00 & above
Red Coral (4 रति से उपर)	(लाल मूंगा)	190.00	280.00	370.00	460.00	550.00 & above
White Coral	(सफ़ेद मूंगा)	73.00	100.00	190.00	280.00	460.00 & above
Cat's Eye	(लहसुनिया)	25.00	45.00	90.00	120.00	190.00 & above
Cat's Eye ODISHA	(उडिसा लहसुनिया)	280.00	460.00	730.00	1000.00	1900.00 & above
Gomed	(गोमेद)	19.00	28.00	45.00	100.00	190.00 & above
Gomed CLN	(सिलोनी गोमेद)	190.00	280.00	460.00	730.00	1000.00 & above
Zarakan	(जरकन)	550.00	730.00	820.00	1050.00	1250.00 & above
Aquamarine	(बेरुज)	210.00	320.00	410.00	550.00	730.00 & above
Lolite	(नीली)	50.00	120.00	230.00	390.00	500.00 & above
Turquoise	(फ़िरोजा)	100.00	145.00	190.00	280.00	460.00 & above
Golden Topaz	(सुनहला)	28.00	46.00	90.00	120.00	190.00 & above
Real Topaz	(उडिसा पुखराज/टोपज)	100.00	190.00	280.00	460.00	640.00 & above
Blue Topaz	**(नीला टोपज)**	100.00	190.00	280.00	460.00	640.00 & above
White Topaz	(सफ़ेद टोपज)	60.00	90.00	120.00	240.00	410.00& above
Amethyst	(कटेला)	28.00	46.00	90.00	120.00	190.00 & above
Opal	(उपल)	28.00	46.00	90.00	190.00	460.00 & above
Garnet	(गारनेट)	28.00	46.00	90.00	120.00	190.00 & above
Tourmaline	(तुर्मलीन)	120.00	140.00	190.00	300.00	730.00 & above
Star Ruby	(सुर्यकान्त मणि)	45.00	75.00	90.00	120.00	190.00 & above
Black Star	(काला स्टार)	15.00	30.00	45.00	60.00	100.00 & above
Green Onyx	(ओनेक्स)	10.00	19.00	28.00	55.00	100.00 & above
Lapis	(लाजर्वत)	15.00	28.00	45.00	100.00	190.00 & above
Moon Stone	(चन्द्रकान्त मणि)	12.00	19.00	28.00	55.00	190.00 & above
Rock Crystal	(स्फ़टिक)	19.00	46.00	15.00	30.00	45.00 & above
Kidney Stone	(दाना फ़िरंगी)	09.00	11.00	15.00	19.00	21.00 & above
Tiger Eye	(टाइगर स्टोन)	03.00	05.00	10.00	15.00	21.00 & above
Jade	(मरगच)	12.00	19.00	23.00	27.00	45.00 & above
Sun Stone	(सन सितारा)	12.00	19.00	23.00	27.00	45.00 & above

Note : Bangkok (Black) Blue for Shani, not good in looking but mor effective, **Blue Topaz** not Sapphire This Color of Sky Blue, For Venus

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)

Call Us - 09338213418, 09238328785

Email Us:- chintan_n_joshi@yahoo.co.in, gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com | www.gurutvakaryalay.blogspot.com

(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

GURUTVA KARYALAY

	YANTRA LIST	EFFECTS
	Our Splecial Yantra	
1	12 – YANTRA SET	For all Family Troubles
2	VYAPAR VRUDDHI YANTRA	For Business Development
3	BHOOMI LABHA YANTRA	For Farming Benefits
4	TANTRA RAKSHA YANTRA	For Protection Evil Sprite
5	AAKASMIK DHAN PRAPTI YANTRA	For Unexpected Wealth Benefits
6	PADOUNNATI YANTRA	For Getting Promotion
7	RATNE SHWARI YANTRA	For Benefits of Gems & Jewellery
8	BHUMI PRAPTI YANTRA	For Land Obtained
9	GRUH PRAPTI YANTRA	For Ready Made House
10	KAILASH DHAN RAKSHA YANTRA	-
	Shastrokt Yantra	
11	AADHYA SHAKTI AMBAJEE(DURGA) YANTRA	Blessing of Durga
12	BAGALA MUKHI YANTRA (PITTAL)	Win over Enemies
13	BAGALA MUKHI POOJAN YANTRA (PITTAL)	Blessing of Bagala Mukhi
14	BHAGYA VARDHAK YANTRA	For Good Luck
15	BHAY NASHAK YANTRA	For Fear Ending
16	CHAMUNDA BISHA YANTRA (Navgraha Yukta)	Blessing of Chamunda & Navgraha
17	CHHINNAMASTA POOJAN YANTRA	Blessing of Chhinnamasta
18	DARIDRA VINASHAK YANTRA	For Poverty Ending
19	DHANDA POOJAN YANTRA	For Good Wealth
20	DHANDA YAKSHANI YANTRA	For Good Wealth
21	GANESH YANTRA (Sampurna Beej Mantra)	Blessing of Lord Ganesh
22	GARBHA STAMBHAN YANTRA	For Pregnancy Protection
23	GAYATRI BISHA YANTRA	Blessing of Gayatri
24	HANUMAN YANTRA	Blessing of Lord Hanuman
25	JWAR NIVARAN YANTRA	For Fewer Ending
26	JYOTISH TANTRA GYAN VIGYAN PRAD SHIDDHA BISHA YANTRA	For Astrology & Spritual Knowlage
27	KALI YANTRA	Blessing of Kali
28	KALPVRUKSHA YANTRA	For Fullfill your all Ambition
29	KALSARP YANTRA (NAGPASH YANTRA)	Destroyed negative effect of Kalsarp Yoga
30	KANAK DHARA YANTRA	Blessing of Maha Lakshami
31	KARTVIRYAJUN POOJAN YANTRA	-
32	KARYA SHIDDHI YANTRA	For Successes in work
33	• SARVA KARYA SHIDDHI YANTRA	For Successes in all work
34	KRISHNA BISHA YANTRA	Blessing of Lord Krishna
35	KUBER YANTRA	Blessing of Kuber (Good wealth)
36	LAGNA BADHA NIVARAN YANTRA	For Obstaele Of marriage
37	LAKSHAMI GANESH YANTRA	Blessing of Lakshami & Ganesh
38	MAHA MRUTYUNJAY YANTRA	For Good Health
39	MAHA MRUTYUNJAY POOJAN YANTRA	Blessing of Shiva
40	MANGAL YANTRA (TRIKON 21 BEEJ MANTRA)	For Fullfill your all Ambition
41	MANO VANCHHIT KANYA PRAPTI YANTRA	For Marriage with choice able Girl
42	NAVDURGA YANTRA	Blessing of Durga

	YANTRA LIST	EFFECTS
43	NAVGRAHA SHANTI YANTRA	For good effect of 9 Planets
44	NAVGRAHA YUKTA BISHA YANTRA	For good effect of 9 Planets
45	• SURYA YANTRA	Good effect of Sun
46	• CHANDRA YANTRA	Good effect of Moon
47	• MANGAL YANTRA	Good effect of Mars
48	• BUDHA YANTRA	Good effect of Mercury
49	• GURU YANTRA (BRUHASPATI YANTRA)	Good effect of Jyupiter
50	• SUKRA YANTRA	Good effect of Venus
51	• SHANI YANTRA (COPER & STEEL)	Good effect of Saturn
52	• RAHU YANTRA	Good effect of Rahu
53	• KETU YANTRA	Good effect of Ketu
54	PITRU DOSH NIVARAN YANTRA	For Ancestor Fault Ending
55	PRASAW KASHT NIVARAN YANTRA	For Pregnancy Pain Ending
56	RAJ RAJESHWARI VANCHA KALPLATA YANTRA	For Benefits of State & Central Gov
57	RAM YANTRA	Blessing of Ram
58	RIDDHI SHIDDHI DATA YANTRA	Blessing of Riddhi-Siddhi
59	ROG-KASHT DARIDRATA NASHAK YANTRA	For Disease- Pain- Poverty Ending
60	SANKAT MOCHAN YANTRA	For Trouble Ending
61	SANTAN GOPAL YANTRA	Blessing Lorg Krishana For child acquisition
62	SANTAN PRAPTI YANTRA	For child acquisition
63	SARASWATI YANTRA	Blessing of Sawaswati (For Study & Education)
64	SHIV YANTRA	Blessing of Shiv
65	SHREE YANTRA (SAMPURNA BEEJ MANTRA)	Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth & Peace
66	SHREE YANTRA SHREE SUKTA YANTRA	Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth
67	SWAPNA BHAY NIVARAN YANTRA	For Bad Dreams Ending
68	VAHAN DURGHATNA NASHAK YANTRA	For Vehicle Accident Ending
69	VAIBHAV LAKSHMI YANTRA (MAHA SHIDDHI DAYAK SHREE MAHALAKSHAMI YANTRA)	Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth & All Successes
70	VASTU YANTRA	For Bulding Defect Ending
71	VIDHYA YASH VIBHUTI RAJ SAMMAN PRAD BISHA YANTRA	For Education- Fame- state Award Winning
72	VISHNU BISHA YANTRA	Blessing of Lord Vishnu (Narayan)
73	VASI KARAN YANTRA	Attraction For office Purpose
74	• MOHINI VASI KARAN YANTRA	Attraction For Female
75	• PATI VASI KARAN YANTRA	Attraction For Husband
76	• PATNI VASI KARAN YANTRA	Attraction For Wife
77	• VIVAH VASHI KARAN YANTRA	Attraction For Marriage Purpose

Yantra Available @:- Rs- 325 to 12700 and Above…..

सूचना

- पत्रिका में प्रकाशित सभी लेख पत्रिका के अधिकारों के साथ ही आरक्षित हैं।
- लेख प्रकाशित होना का मतलब यह कतई नहीं कि कार्यालय या संपादक भी इन विचारो से सहमत हों।
- नास्तिक/ अविश्वासु व्यक्ति मात्र पठन सामग्री समझ सकते हैं।
- पत्रिका में प्रकाशित किसी भी नाम, स्थान या घटना का उल्लेख यहां किसी भी व्यक्ति विशेष या किसी भी स्थान या घटना से कोई संबंध नहीं हैं।
- प्रकाशित लेख ज्योतिष, अंक ज्योतिष, वास्तु, मंत्र, यंत्र, तंत्र, आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित होने के कारण यदि किसी के लेख, किसी भी नाम, स्थान या घटना का किसी के वास्तविक जीवन से मेल होता हैं तो यह मात्र एक संयोग हैं।
- प्रकाशित सभी लेख भारतिय आध्यात्मिक शास्त्रों से प्रेरित होकर लिये जाते हैं। इस कारण इन विषयो कि सत्यता अथवा प्रामाणिकता पर किसी भी प्रकार कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं।
- अन्य लेखको द्वारा प्रदान किये गये लेख/प्रयोग कि प्रामाणिकता एवं प्रभाव कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं। और नाहीं लेखक के पते ठिकाने के बारे में जानकारी देने हेतु कार्यालय या संपादक किसी भी प्रकार से बाध्य हैं।
- ज्योतिष, अंक ज्योतिष, वास्तु, मंत्र, यंत्र, तंत्र, आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित लेखो में पाठक का अपना विश्वास होना आवश्यक हैं। किसी भी व्यक्ति विशेष को किसी भी प्रकार से इन विषयो में विश्वास करने ना करने का अंतिम निर्णय स्वयं का होगा।
- पाठक द्वारा किसी भी प्रकार कि आपत्ती स्वीकार्य नहीं होगी।
- हमारे द्वारा पोस्ट किये गये सभी लेख हमारे वर्षो के अनुभव एवं अनुशंधान के आधार पर लिखे होते हैं। हम किसी भी व्यक्ति विशेष द्वारा प्रयोग किये जाने वाले मंत्र- यंत्र या अन्य प्रयोग या उपायोकी जिन्मेदारी नहिं लेते हैं।
- यह जिन्मेदारी मंत्र-यंत्र या अन्य प्रयोग या उपायोको करने वाले व्यक्ति कि स्वयं कि होगी। क्योकि इन विषयो में नैतिक मानदंडों, सामाजिक, कानूनी नियमों के खिलाफ कोई व्यक्ति यदि नीजी स्वार्थ पूर्ति हेतु प्रयोग कर्ता हैं अथवा प्रयोग के करने मे त्रुटि होने पर प्रतिकूल परिणाम संभव हैं।
- हमारे द्वारा पोस्ट किये गये सभी मंत्र-यंत्र या उपाय हमने सैकडोबार स्वयं पर एवं अन्य हमारे बंधुगण पर प्रयोग किये हैं जिस्से हमे हर प्रयोग या मंत्र-यंत्र या उपायो द्वारा निश्चित सफलता प्राप्त हुई हैं।
- पाठकों कि मांग पर एक हि लेखका पूनः प्रकाशन करने का अधिकार रखता हैं। पाठकों को एक लेख के पूनः प्रकाशन से लाभ प्राप्त हो सकता हैं।
- अधिक जानकारी हेतु आप कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

(सभी विवादो केलिये केवल भुवनेश्वर न्यायालय ही मान्य होगा।)

FREE
E CIRCULAR

गुरुत्व ज्योतिष मासिक ई-पत्रिका

जून-2020

संपादक

चिंतन जोशी

संपर्क

गुरुत्व ज्योतिष विभाग

गुरुत्व कार्यालय

92/3. BANK COLONY,
BRAHMESHWAR PATNA,
BHUBNESWAR-751018,
(ODISHA) INDIA

फोन

91+9338213418, 91+9238328785

ईमेल

gurutva.karyalay@gmail.com,
gurutva_karyalay@yahoo.in,

वेब

www.gurutvakaryalay.com

www.gurutvajyotish.com

www.shrigems.com

http://gk.yolasite.com/

www.gurutvakaryalay.blogspot.com

हमारा उद्देश्य

प्रिय आत्मिय

बंधु/ बहिन

जय गुरुदेव

जहाँ आधुनिक विज्ञान समाप्त हो जाता हैं। वहां आध्यात्मिक ज्ञान प्रारंभ हो जाता हैं, भौतिकता का आवरण ओढे व्यक्ति जीवन में हताशा और निराशा में बंध जाता हैं, और उसे अपने जीवन में गतिशील होने के लिए मार्ग प्राप्त नहीं हो पाता क्योकि भावनाए हि भवसागर हैं, जिसमे मनुष्य की सफलता और असफलता निहित हैं। उसे पाने और समजने का सार्थक प्रयास ही श्रेष्ठकर सफलता हैं। सफलता को प्राप्त करना आप का भाग्य ही नहीं अधिकार हैं। ईसी लिये हमारी शुभ कामना सदैव आप के साथ हैं। आप अपने कार्य-उद्देश्य एवं अनुकूलता हेतु यंत्र, ग्रह रत्न एवं उपरत्न और दुर्लभ मंत्र शक्ति से पूर्ण प्राण-प्रतिष्ठित चिज वस्तु का हमेंशा प्रयोग करे जो १००% फलदायक हो। ईसी लिये हमारा उद्देश्य यहीं हे की शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त सभी प्रकार के यन्त्र- कवच एवं शुभ फलदायी ग्रह रत्न एवं उपरत्न आपके घर तक पहोचाने का हैं।

सूर्य की किरणे उस घर में प्रवेश करापाती हैं।
जीस घर के खिड़की दरवाजे खुले हों।

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)
Call Us - 9338213418, 9238328785
Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com |
www.gurutvakaryalay.blogspot.com
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)



GURUTVA JYOTISH

Monthly

JUN-2020